वर्ष-12 , अंक-41 प्रयागराज, रविवार 13 अक्टूबर 2024 से शनिवार 19 अक्टूबर 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From Google Play Adhunik Samachar

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

नाजरेथ अस्पताल ने वर्ल्ड साइट डे पर ब्लाइंड वॉक निकाला, नेत्र दान करने के लिए दिलाया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। वर्ल्ड साइट डे दृष्टिहीन व्यक्तियों को लेकर मनाया जाता है तो वही संगम नगरी प्रयागराज में आज नाज़रेथ अस्पताल, से वर्ल्ड साइट डे के अवसर पर 'ब्लाइंड वॉक' का आयोजन कर एक अनूठी पहल की। वही मीडिया से बात करते हुए नाज़रेथ हॉस्पिटल के निदेशक फादर विपिन डिसूज़ा ने बताया इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों से परिचित कराना और नेत्रदान के महत्व पर जागरूकता फैलाना था।इस कार्यक्रम के दौरान समस्त प्रतिभागियों ने नेत्रदान करने का संकल्प किया। नाज़रेथ अस्पताल के इस प्रयास का उद्देश्य दृष्टिहीनता के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना था, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान कर दृष्टिहीन व्यक्तियों की जिंदगी को रोशन कर सकें। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'दृष्टिहीन बनकर चलें लोग, एक अनोखा अनुभव पाया था, जिसमें प्रतिभागियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर एक कतार में चलकर दृष्टिहीन होने का अनुभव किया। ये वाक नाज़रेथ अस्पताल से शुरू होकर सुभाष चौराहा पर समाप्त हुआ। प्रतिभागियों में अस्पताल के परिचारिकाएँ, डाक्टर्स, स्थानीय लोग और स्वयंसेवक शामिल थे, जिन्होंने नेत्रहीनों के जीवन की कठिनाइयों को महसूस किया और उनके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई नाज़रेथ अस्पताल के निदेशक फादर विपिन डिसोजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

यूएस तक पहुंची फ्री की रेवड़ी', 12 महीने के भीतर बिजली दर आधी करने के ट्रंप के वादे पर बोले केजरीवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर ट्रंप के एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें वह सत्ता में आने के 12 महीने के भीतर ऊर्जा और बिजली की कीमतों में कटौती करने का वादा कर रहे हैं।पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के चलते हाल ही में अमेरिका में बिजली और ऊर्जा की कीमतों को आधा करने का वादा किया है, जिस पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'मुफ्त की रेवड़ी' मॉडल अमेरिका तक पहुंच गया है। केजरीवाल ने एक्स पर ट्रंप के एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें वह सत्ता में आने के 12 महीने के भीतर ऊर्जा और बिजली की कीमतों में कटौती करने का वादा कर रहे हैं। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'मैं 12 महीनों के भीतर ऊर्जा और बिजली की कीमत आधी कर दूंगा। हम अपने पर्यावरण संबंधी अनुमोदनों में गंभीरता से तेजी लाएंगे औ? अपनी बिजली क्षमता को जल्दी से दोगुना कर देंगे। इससे मुद्रास्फीति कम होगी और अमेरिका को मिशिगन फैक्ट्री बनाने के लिए धरती पर सबसे अच्छी जगह बनाएंगे। ट्रंप के इस पोस्ट पर केजरीवाल ने रीट्वीट कर कहा, 'ट्रंप ने घोषणा की है कि वह बिजली की दरों को आधा कर देंगे। अमेरिका तक मुफ्त की रेवड़ी पहुंची आप ने भी ट्रंप की घोषणा को केजरीवाल मॉडल बता सराहना करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। पार्टी ने दावा किया कि आप नेता के शासन मॉडल को अमेरिका में अपनाया जा रहा है। आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दावा किया कि ट्रंप 'केजरीवाल मॉडल' का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व सीएम ने वैश्विक स्तर पर शासन के लिए बेंचमार्क स्थापित किया है। राघव चड्ढा ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'ट्रंप द्वारा बिजली बिलों पर 50 फीसदी की छूट से पता चलता है कि कैसे अरविंद केजरीवाल ने वैश्विक स्तर पर शासन के लिए बेंचमार्क स्थापित किया है। उनका शासन मॉडल- सस्ती बिजली, मुफ्त पानी, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और मुफ्त विश्व स्तरीय शिक्षा सही तरीके से किए गए कल्याणवाद का एक शानदार उदाहरण है।

इन जांबाज पायलट्स ने बचाई 140 लोगों की जान, तकनीकी खराबी की के चलते 2.30 घंटे तक हवा में रहा विमान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तमिलनाडु। पायलट इकरोम रिफाडली फहमी जैनल और सह-पायलट मैत्रेई श्रीकृष्ण शितोले के काफी प्रयासों के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। विमान को सुरक्षित लैंड कराने के बाद दोनों पायलट तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे से रवाना हुए। फ्लाइट में तकनीकी खराबी के बारे में त्रिची के जिला कलेक्टर प्रदीप कुमार ने कहा, ठतिरुचिरापल्ली से शारजाह जाने वाली फ्लाइट में लैंडिंग की समस्या थी। लैंडिंग की समस्या की पहचान होने के बाद प्रशासन एयरपोर्ट अथॉरिटी के साथ-साथ एयर ट्रैफिक सिग्नल के संपर्क में बना रहा...हमने तिरुचिरापल्ली और उसके आसपास के इलाकों में डॉक्टरों की टीम को तैनात किया...पायलट ने कौशल और सूझबूझ से यात्रियों की जान बचाई।एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक, 140 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान 613 ने त्रिची से शाम 5:40 बजे शारजाह के लिए उड़ान भरी थी। विमान जैसे ही रनवे से हवा में पहुंचा तो उसके हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी आ गई।

सुरक्षित लैंड कराने के बाद दोनों पायलट तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे से रवाना हुए। तमिलनाडु के त्रिची से शारजाह जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद जांबाज पायलटों ने बड़ा साहस दिखाया, जिसके चलते विमान में सवार 140 यात्रियों की जान बचाई जा सकी। करीब ढाई घंटे तक विमान हवा में रहा। पायलट इकरोम रिफाडली फहमी जैनल और

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

कन्या पूजा कर विजय जैन ने लिया आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नवमी नवरात्र में शुक्रवार को रावटसगंज नगर स्थित में मार्केट दुर्गा पूजा पंडाल परिसर में पूर्व नपा

अध्यक्ष विजय कुमार जैन के नेतृत्व में कुंवारी कन्याओं को भोजन कर कर आशीर्वाद लिया वहीं संस्थापक विजय कुमार जैन ने बताया कि कई वर्षों की बात इस वर्ष भी धूमधाम से नवरात्रि पूजा व कन्या भोजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में नगर के श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान पिक्की जैन, नेहा जैन,कपिल जैन ,ऋतिक जैन के साथ लोगों की मदद करते हुए माता का प्रसाद वितरित किया गया । वहीं इसी तरह स्वर्ण जयंती चौक पर ऑटोमोबाइल्स दुर्गा समिति द्वारा भंडारा कर हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया समिति अध्यक्ष पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया की विधि विधान से मां नवरात्रि का पूजा करते हुए भंडारा प्रसाद वितरण के साथ हवन पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत कार्यक्रम ठमिशन शक्तिठ विशेष अभियान फेज़-5 के अंतर्गत माह अक्टूबर से माह दिसंबर 2024 का शुभारंभ किया गया है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ । कार्ययोजना की थीम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस राजकीय बालिका गृह, सिंधी खेड़ा, पारा एवं राजकीय शिशु ग्रह, प्राग नारायण रोड पर कन्या पूजन करके मनाया गया। राजकीय बालिका मे महिला कल्याण विभाग निदेशक, संदीप कौर द्वारा संस्था के बच्चों को कैप,टी-शर्ट, बैंड, किताबें भेंट दी कार्यक्रम में उपनिदेशक महिला कल्याण, पुनीत मिश्रा, उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी ,लखनऊ मंडल,प्रवीण कुमार त्रिपाठी, डॉ0 सुदर्शन एवं अधिक्षिका सफलता उपस्थित रहे। राजकीय शिशु ग्रह में राज्य बाल आयोग सदस्या डॉ0 सुचिता चतुर्वेदी एवं संस्था अधिक्षिका रीता टमटा , यूनिसेफ कोऑर्डिनेटर रिजवाना, संरक्षण अधिकारी सूर्यकांत चौरसिया उपस्थित रहे।

चुर्क से पुसौली होते हुए कचहरी रोड तक बाइपास बनाने का उठा मुद्दा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले में सड़कों की मरम्मत और नए निर्माण को लेकर बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। इस दौरान नई सड़क परियोजनाओं और पुरानी सड़कों की मरम्मत पर चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों से शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा गया।जनप्रतिनिधियों ने चुर्क से पुसौली होते हुए कचहरी के आगे तक बाईपास बनाने का सुझाव दिया। बरैला महादेव, पंचमुखी मंदिर, मंगलेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों का प्रस्ताव भी शासन को भेजने की सहमति बनी। इस दौरान ओवरब्रिज के बगल सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत के लिए एक्सईएन जल निगम को निर्देशित किया। बैठक में बसकटवा, तेलगुड़वा, पटवध संपर्क का प्रस्ताव भी उपलब्ध कराने को कहा गया। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने सड़क, पुल, बाईपास आदि निर्माण से संबंधित सभी प्रस्तावों को शीघ्र शासन को भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड, विधायक डॉ. अनिल मौर्य, भूपेश चौबे, सांसद प्रतिनिधि सुनील गोंड आदि मौजूद रहे।

डांडिया नाइट में फेमस डीजे आर्टिस्ट ने मचाया धमाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। द हैप्पी सोल ग्रुप के तत्वाधान में जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज स्थित सोन पैलेस में शनिवार की देर रात ग्रैंड डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पजामा के पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर डांडिया खेलते हुए नजर आए। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित डॉ. वीणा सिंह एवम विशिष्ठ अतिथि के रुप में उपस्थित डॉ. गीता कुमार व डॉ प्रियम्बदा सिंह ने मां दुर्गा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. वीणा सिंह ने कहा कि द हैपी ग्रुप सोल की संस्थापिका सुशमा सिंह एवम संगठन के सदस्यों और पदाधिकारी ने एक एकता की मिसाल कायम करते हुए हमारे समाज को एक दिशा दिखाई तथा महिलाओं को आगे लाने कि एक अच्छी पहल की शुरुआत की हैं जो कि सराहनीय है। वहीं कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का आयोजका सुषमा सिंह ने आभार प्रकट किया। बतादें कि डांडिया नाइट में डांस के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी वहां उपस्थित लोगों ने लुफ्त उठाया। कार्यक्रम के अंत में बेस्ट डांस करने वाली जोड़ी को आकर्षक इनाम भी दिया गया। इस अवसर पर सुषमा सिंह, सारिका सिंह, सुशीला सिंह, मधु मौर्या, रूपा गुप्ता, शशि बाला सिंह व निकिता गुप्ता सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के तहत सोनांचल पब्लिक स्कूल दुद्धी में छात्राओं को नये कानूनों एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के तहत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के

निर्देशन में क्षेत्राधिकारी दुद्धी प्रदीप सिंह चंदेल द्वारा सोनांचल पब्लिक स्कूल दुद्धी जनपद सोनभद्र में छात्राओं/बालिकाओं को नये कानूनों एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों यथा-वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया गया ।

जनसुनवाई पर आए 19 शिकायतें हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद

सोनभद्र में रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 5, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 0, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 0, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी/नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है।

कई दशकों पुरानी ईंट से बनवा दी माडल आवास

(आधुनिक समाचार सेवा)

रामगढ़,सोनभद्र। सोनभद्र विकास खंड नगवां ब्लॉक परिसर में कई दशकों पुराने जर्जर भवन को तोड़कर उसी ईंट से माडल आवास बनाने का मामला प्रकाश में आया है। का निर्माण एक लाख तीस हजार में बनवाना कठिन है या जानबूझकर आवास प्रभारी पुरानी ईंट का प्रयोग किया जिस ब्लॉक में वीडियो हो, एडीओ पंचायत बैठते हो उसी ब्लॉक परिसर में ब्लॉक प्रमुख भी रहते हो

जानकारी के अनुसार आवास प्रभारी को ब्लॉक परिसर में एक माडल आवास बनवाना था ऐसा ही आवास ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास के पात्र लोगों को उसी माडल आवास जैसा ही आवास बनवाना था लेकिन ब्लॉक परिसर में ही माडल आवास में पुराने ईंट का प्रयोग कर आवास का निर्माण आवास प्रभारी द्वारा कराया जाना इस बात को दर्शाता है कि आवास क्या इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया या मौन सहमति है। जो भी हो ब्लॉक में इस प्रकार का कार्य होना चर्चा का विषय बन गया है लोगों का कहना है कि जब ब्लॉक में ही इतना भ्रष्टाचार है तो ग्रामीण इलाकों का क्या हाल होगा जिलाधिकारी सोनभद्र को जांचकर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

साईं हॉस्पिटल राबर्ट्सगंज का सदर विधायक ने किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र ।सोमवार को नवरात्रि के शुभ अवसर पर साई हॉस्पिटल में हड्डी रोग, सर्जरी, आंख का ऑपरेशन व नाक, कान, गला रोग का ईलाज तथा सी0आर्म मसीन की सुविधाओं का सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा उद्घाटन किया लोगों को दूर-दराज जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, अपने ही जिले में उन्हें बेहतर उपचार मिल सकेगा। प्रबंध निदेशक डा0 वी0 सिंह व प्रबंधक डॉ0 अनुपमा सिंह जी ने बताया कि चिकित्सालय में उपलब्ध आयुष्मान भारत के अंतर्गत मुफ्त में इलाज किया जा

गया। तथा जिले में यह सारी सुविधा देने के सदर विधायक द्वारा प्रबंधक डॉक्टर अनुपमा सिंह को बधाई दी गई तथा विधायक द्वारा यह भी कहा गया कि नए विभाग खुल जाने से जिले के लोगों के लिए अब ईलाज बहुत ही आसान हो जाएगा, जिससे रहा है। जिससे लोगों को इस योजना से काफी राहत भी मिल रही है। इस कार्यक्रम में उपस्थित मैनेजर राजन सोनी, स्टाफ नर्स सोलिया मनी, कुसुम, सरस्वती, रेखा, शिवरतन, अमित राय, अहमद रजा व अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री राम के जयकारे से गूंजायमान हो गया रामलीला प्रांगण

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र । श्री रामलीला समिति सोनभद्र द्वारा आयोजित रामलीला के चौथे दिन नगर भ्रमण मीना बाजार फुलवारी, सीता स्वयंवर, धनुष-यज्ञ, राम-सीता विवाह, लक्ष्मण-परशुराम संवाद जैसे प्रसंगों का मंचन किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज के कलाकारों ने बेहतरीन प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।रामलीला की शुरुआत के दृश्य में दिखाया

जाता है कि राजा जनक के पास भगवान शिव का दिव्य धनुष था। वह मंच में बने महल की आकृति में एक जगह स्थापित किया गया था। उसे कोई नहीं हिला सकता था। एक दिन अपने घर में जमीन पर गोबर का लेप लगाने के दौरान जनक नंदिनी सीता ने धनुष को उस स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर रख दिया और वह अपना कार्य करने लगीं। सीता के इस कृत्य को देखकर महाराजा जनक को बहुत ही आश्चर्य हुआ। तब उन्होंने सोचा कि इस पुत्री में कोई अलौकिक शक्ति है।राजा जनक ने निश्चय किया कि सीता का विवाह ऐसे पराक्रमी से किया जाएगा, जो भगवान शिव के पिनाक नामक धनुष को भंग करेगा। तभी जनकपुर में सीता के स्वयंवर का आयोजन किया जता है । इसकी घोषणा सुनकर दूरदराज से पराक्रमी राजा धनुष यज्ञ में शामिल होते हैं। विश्वामित्र के साथ राम लक्ष्मण भी स्वयंवर में पहुंचे। रंगमंच स्थल पर अनेक देश के राजाओं ने आकर स्वयंवर में धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई धनुष को हिला तक नहीं सका।राजा रावण भी धनुष यज्ञ में शामिल हुआ। वह सीता को स्वयंवर में प्राप्त नहीं कर सका। तब उसने कहा कि हे सीते एक दिन तुम्हे लंका जरूर ले जाउंगा। जब कोइ धनुष नहीं उठा सका तो राजा जनक चिंतित हो उठे। अंत में गुरु की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष को भंग कर दिया।

बेरूत पर हमले में हिजबुल्ला मुख्यालय के कमांडर सुहैल हुसैन हुसैनी की मौत; इस्त्राइली सेना का दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बेरूत हमले में हिजबुल्ला मुख्यालय के कमांडर सुहैल हुसैन हुसैनी की मौत हो गई है। इस्त्राइली सेना ने इसका दावा किया है। इस्त्राइल

की ओर से हिजबुल्ला के खिलाफ हमले लगातार जारी हैं। बीते दिन इस्त्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्ला के कई ठिकानों पर लगातार एक के बाद एक कई मिसाइल हमले किए। वहीं, अब आईडीएफ ने दावा किया है कि बेरूत में हुए हवाई हमले के दौरान हिज़बुल्ला की रसद इकाई के प्रमुख सुहैल हुसैन हुसैनी को मौत हो गई थी। आईडीएफ ने मंगलवार को हवाई हमले की जानकारी देते हुए कहा कि बीते दिन बेरूत में एक परिसर पर हमला किया गया, जिसमें हुसैनी की मौत हो गई। हालांकि हिजबुल्ला ने इसे लेकर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। आईएडीफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना ने आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला के मुख्यालय के प्रमुख सोहिल हुसैन हुसैनी को मार डाला।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। सोमवार सुबह लगभग दस बजे डाला पुलिस चौकी एव राज्य मंत्री संजीव सिंह गोड़ द्वारा घायल को ऐम्बुलेंस से चोपन अस्पताल भेजवाया गय प्राप्त

क्षेत्र के अंतर्गत डाला बारी में स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर डाला से चोपन के तरफ से जा रहा बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर लगे डूम को धक्का मारते हुए सड़क पर गिर गया उसी दौरान पिछे आ रही अज्ञात वाहन ने धक्का मारते हुए घटना स्थल से फरार हो गया वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस ,डायल 112 जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि सड़क दुर्घटना में घायल सोनू कुमार जायसवाल उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र स्व संतोष जायसवाल निवासी नई बस्ती डाला की चोपन अस्पताल जाते हुए रास्ते में घायल ने दम तोड़ दिया और उसकी मौत हो गई बताया जा रहा है डाला पुलिस ने बाइक को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुड़ गई।

मिशन शक्ति पेज 05 के तहत मीनाबजार मे हुआ कार्यशाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

घुरमा सोनभद्र।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति के संबंध में चलाएं जा रहे है अभियान के क्रम मे सोमवार के दिन ग्राम पंचायत मारकुंडी के मीनाबजार पंचायत भवन पर मिशन शक्ति कार्यशाला काफी गंभीर है किसी प्रकार का अपराध होने पर बिना किसी हिचक के तत्काल पुलिस के उपरोक्त नम्बर पर सूचना दे जिससे तत्काल आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।राबर्ट्सगंज महिला थानाध्यक्ष सविता सरोज, नीलू यादव ,सीमा

का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं बच्चों को बच्चियों को सरकार द्वारा चलाई जाए योजनाओं महिला सशक्तिकरण के संबंध में हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076 112आदि नंबर व ऑपरेशन पहल ,खुलकर बोलो चुप्पी तोड़ो आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई ।जिसमे मुख्य रूप से गुरमा चौकी प्रभारी सुरेश चन्द्र द्विवेदी ने कहा की उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओ एंव बेटियो की सुरक्षा को लेकर शर्मा सुधागिरी ,सभी चाइल्डलाइन निशा कुरैशी एक्शन और यूनिसेफ, दीपिका सिंह वन स्टॉप सेंटर ,गायत्री दुबे बाल संरक्षण अधिकारी व ग्राम प्रधान उधम सिंह यादव सहभाग किए सभी महिलाओ एंव बाल सुरक्षा को लेकर प्रकार डाला सभी ने विस्तृत रूप से महिला सशक्तिकरण के संबंध में जानकारी दी गयी।सशक्तिकरण में कार्यशाला में 300 महिलाएं व बच्चे सहभाग किया।

आगजनी से सुरक्षा एवं बचाव' हेतु एक दिवसीय कार्यशाला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, एनटीपीसी परिसर

शक्तिनगर में ठराष्ट्रीय सेवा योजनाठ और ठसीआईएसएफ-अग्निशमन दल एनटीपीसीठ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को 'आगजनी से सुरक्षा एवं बचाव' हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार यादव ने किया। आपने अपने सम्बोधन में आयोजित कार्यशाला को सभी छात्र-छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी बताया। कार्यशाला के प्रथम पहर में अग्निशमन दल के एसआई रीनेन्द्र कुमार और एएसआई रामबीर सिंह ने आग की प्रकृति, तत्व, तथा इसके सभी रासायनिक अवयवों का सैद्धांतिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। इस सम्बन्ध में प्रतिभागियों के अनेक प्रश्नों का समाधान भी प्रस्तुत किये गये। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में अग्निशमन दल के एचसी शमशाद अहमद और सिपाही अंसार अली द्वारा आग पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनोद कुमार पाण्डेय, कार्यक्रम अधिकारी इकाई-तृतीय ने किया। प्रतिभागियों का स्वागत डॉ प्रभाकर लाल कार्यक्रम अधिकारी इकाई-प्रथम द्वारा किया गया। सभी उपस्थित अग्निशमन दल के सदस्यों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अजय लक्ष्मी कार्यक्रम अधिकारी इकाई द्वितीय ने किया। आयोजन में डॉ रागिनी श्रीवास्तव, डॉ निशा कुमारी, डॉ मनोज कुमार गौतम, डॉ रणबीर प्रताप सिंह, श्री प्रशांत कुमार विश्वकर्मा, डॉ आनंद प्रिया सिंह, श्री अमित कुमार सिंह, मनीष, पुष्पा, किशोरी, जुली, ग्रेशी, का सहभाग सराहनीय रहा।

जिलाअस्पताल लोढ़ी के पास सन्दिग्ध परिस्थित मे अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।/जिलाअस्पताल लोढ़ी से कुछ दूर पर एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव हुआ बरामद लोढ़ी चौकी इनचार्ज को इसकी सुचान दी गई सुचना प्राप्त होते ही मौके पर अपने मय बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे मृतक व्यक्ति को देखने से एसा मालुम पडा कि मृतक युवक अर्धबिक्षिप्त है उसके शरीर पर गर्म कपड़े पडे थे जिसे उसकी मानसिक स्थित का पता चला पुछताछ से पता चला कि कुछ दिनो से आस पास घुमर रहा था उसकी पहचान अभी तक नही हो पाई है शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी घर मे रख दिया गया है पुलिस जांच मे जुटी ह

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा मिशन शक्ति के संबंध में चलाएं जा रहे है अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मिशन शक्ति पेज 05 माननीय मुख्यमंत्री द्वारा मिशन शक्ति के संबंध में चलाएं जा रहे है अभियान के क्रम मे आज दिनांक 09-10-24 को डीएवी सीनियर सेकेण्डरी कॉलेज चुर्क में मिशन शक्ति का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज की छात्राओं व बच्चों को सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के संबंध में चलाई जा रही हेल्पलाइन नंबर, कार्यकारी योजनाओं महिला सशक्तिकरण के संबंध में हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076 , 112 1930 साइबर क्राइम आदि आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई श्री संजय सिंह महिला कांस्टेबल थाना हर कोतवाली जनपद सोनभद्र।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत सिंह खरवार का किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार को बनाये जाने के बाद आज जनपद सोनभद्र में प्रथम आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष नन्दलाल करते हुए जीत सिंह खरवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को पार्टी ने यह जिम्मेदारी दी है इस जिम्मेदारी को पूरी लगन और मेहनत से आप सभी के सहयोग से निभाने की

व सदर विधायक भूपेश चौबे जी के नेतृत्व में हिन्दुवारी तिराहे व भाजपा जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। तदोपरान्त भाजपा जिला कार्यालय पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता व संचालन जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद ने किया। स्वागत समारोह को संबोधित कोशिश करुंगा भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार में अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगो का सम्मान है सभी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ काम करें। अनुसूचित जाति का सम्मान भाजपा की सरकार मे ही है, देश की आजादी के बाद पहली बार मोदी सरकार में जाति धर्म से उठकर सबके विश्वास, सबके विकास की बात की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की होकर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी के प्रति आभार प्रकट किया आगे कहा कि योगी जिस तेजी से अपराधियों पर नकेल कस रहे है उसी तेजी से विकास की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है इसमे किसी एक की सरकार ने सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के नारे को साकार करके दिखाया है, प्रदेश सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए किये गये विभिन्न कार्यों से प्रभावित नही बल्कि सभी कार्यकर्ताओं को तरहीज दी जाती है, और सबकी समस्याओं को सुनी जाती है भारतीय जनता पार्टी का यह नारा है सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास इस पर किसी को डरने की जरुरत नही है प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की अगुवाई मे देश निरंतर आगे बढ रहा है, और जनहित में अनेको कार्य किये जा रहे है। उज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, पीएम आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसमे सभी वर्ग सभी धर्म के लोगो को फायदा हो रहा है किसी के साथ भेदभाव नही किया जाता है, आज कल के युवा समझदार है सही और गलत को पहचानने मे सक्षम है। इससे हमारे संगठन को मजबूती मिल रही है। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे, जिला प्रभारी अनिल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, धर्मवीर तिवारी, अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, पूर्व वन्यजीव बोर्ड सदस्य श्रवण जी, प्रदेश उपाध्यक्ष जनजाति मोर्चा नागेश्वर गोंड़, क्षेत्रीय मंत्री पिछड़ा मोर्चा बीएन गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्या, अशोक कुमार मौर्या, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमलेश चौबे, जिला मंत्री शंभूनारायण सिंह, संतोष शुक्ला, अनूप तिवारी, जिला महामंत्री किसान मोर्चा नार सिंह पटेल,मीनू चौबे, विशाल पाण्डेय, विनय श्रीवास्तव, रजनीश रघुवंशी, संदीप सिंह, सुनिल सिंह, धर्मेन्द्र शर्मा, पूर्व जिला मंत्री धर्मेन्द्र नन्हे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाल तस्करो के चिन्हाकन हेतु चलाया जायेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में

जनपद के रेलवे स्टेशन चोपन स्थित अधीक्षक कार्यालय मे बच्चो के सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय की अध्यक्षता में आज दिनांक-8-10-2024 को मासिक बैठक आहूत की गई इस दौरान बैठक मे जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा पूर्व के बैठक के अनुपालन के संबंध मे समिति के समक्ष बिन्दुवार बताया गया साथ ही यह भी बताया गया किया विगत तीन माह मे एक प्रकरण नाबालिग बालिका का आर पी एफ चोपन द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट को दिया गया है, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय द्वारा सभी सम्बंधित को निर्देशित किया गया कि बाल तस्करी करने वाले तस्करो का चिन्हाकन करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही किये जाये। नीलू यादव द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर सूचित कर सकते है। प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव द्वारा बताया गया कि मानव तस्करी, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम रोकथाम हेतु जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान जनपद स्तर पर संयुक्त टीम द्वारा चलाई जा रही है। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय, प्रभारी स्टेशन अधीक्षक चोपन विकास कुमार,आर पी एफ चोपन से प्रशांत कुमार, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर नीलू यादव , थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव,आरक्षी पंकज कुमार,जी आर पी चौकी चोपन से अवधेश कुमार,आदि उपस्थित रहे।

कोन में ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा / सोनभद्र। विकास खण्ड कोन अन्तर्गत ब्लॉक स्तरीय बच्चों शिक्षा में विज्ञान व गणित की बढ़ावा देने के लिए परिषद दिए उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को विज्ञान व गणित

में उत्तरोत्तर वृद्धि करने को लेकर ब्लॉक कोन में मंगलवार को राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत विकासखंड कोन के कुल 46 उच्च प्राथमिक विद्यालय/ कम्पोजिट विद्यालय में अध्ययन न बच्चों को विद्यालय स्तर पर चयनित बच्चों को ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन बीआरसी पर कराया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों से 138 छात्र-छात्राओं ने क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें लिखित व मौखिक परीक्षा के मूल्यांकन में उच्च प्राथमिक विद्यालय डोमा के विनीत कुमार ने प्रथम स्थान इस तरह दूसरे स्थान पर अवध कुमार व तीसरे स्थान पर राजकेश्वर उच्च प्राथमिक विद्यालय बोकराखाड़ी चौथा स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय किशुनपुरवा के आदित्य कुमार व पांचवा स्थान पर गुलाब गौस् , छठे स्थान पर यूपीएस कोन के काजू कुमार ने अपना स्थान बनाया । सभी छः टॉपर्स को जिला क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभा हेतु चयन किया गया ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता के बतौर मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र नाथ दूबे ने सफल छात्रों का मेडल, प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरण किया । कार्यक्रम के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि विज्ञान व गणित का दैनिक जीवन में बहुत बड़ा उपयोगी है जिसके सहारे आज हम सभी सफल हो रहे हैं और वहीं बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इसी तरह सभी लोग को आगे बढ़े और मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें ।

साड़ी के फंदे से बढेर से अधेड़ का लटकता मिला शव मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के सिरसिया ठाकुरई गांव में सोमवार दोपहर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में बंद कमरे 50 वर्षीय अधेड़ ने साड़ी के फंदे से बड़ेर से लटकता हुआ मिला शव जांच में जुटी पुलिस। जानकारी के अनुसार सुदामा 50 वर्षी पुत्र स्वर्गीय ननकू निवासी सिरसिया ठाकुरई कि सोमवार दोपहर बाद बदर से साड़ी के फंदे में लटकता मिला शव देख परिजन पुलिस को सूचना दिया मौके पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवाया वहीं मंगलवार को पुलिस ने बताया कि 50 वर्षी अधेड़ सुदामा की मौत कैसे हुई इसका पता नहीं चल सका है हालांकि परिजनों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सुदामा के पंच पुत्र हैं जिनमें तीन लड़कियों की शादी कर चुके हैं चौथे लड़की की शादी करने की तैयारी की जा रही थी वही एक लड़का 13 साल का छोटा है दो बच्चे नाबालिक शादी के लिए हालांकि परियों द्वारा कोई पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है । वहीं पुलिस ने बताया कि परिजनों द्वारा सूचना मिला था मौके पहुंची पुलिस को लटकता देर का शव साड़ी के फंदे से बड़ेर में मिला और उसे दौरान घर पर कोई नहीं था किन वजह से किन कारण बस फांसी लगी इसका पता नहीं चल पाया है वही जांच करते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी पुलिस।

मंदिर के पूजा पाठ, धर्मशाला व स्थलों पर धार्मिक आयोजनो में न दे दखल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित एक होटल परिसर में बुधवार को अधिवक्ता एक के चौबे द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राम मंदिर समिति सचिव के साथ मामले में विस्तार पूर्वक बताया वहीं अधिवक्ता ने बताया कि श्री राम चरित्र मानस मंदिर समिति , राम मंदिर, बजरिये सचिव , नील कांत तिवारी द्वारा समिति एवम समिति की आराजी स0 3048 गा रकबा 4 बीघा व 3048 क: रकबा 2 बीघा 13 बिश्वा स्तिथ ग्राम बिल्ली मारकुंडी ओबरा सोनभद्र के संबंध में प्रतिवादिगण विशाल गुप्ता पुत्र स्व0 कर्मवीर गुप्ता ,आलोक भाटिया पुत्र स्व0 तिलकराज भाटिया व सी0बी0 राय पुत्र स्व0 जमुना राय निवासीगण राम मंदिर कॉलोनी ओबरा सोनभद्र के विरुद्ध न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीज़न सोनभद्र के समक्ष निषेधाज्ञा वाद प्रस्तुत किया गया है जिसपर न्यायालय द्वारा पारित आदेश 7/10/2024 द्वारा विपक्षीगण को वादी के समिति के कार्यो व मंदिर के पूजा पाठ, धर्मशाला व स्थलों पर धार्मिक आयोजनो में , दखल दखल में हस्तक्षेप न तो स्वम करे और न ही एजेंटों कारकुनों से कराने से मना किया गया है।

मानपुर गांव में अनसूचित मोर्चा ने चलाया सदस्यता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी पर के नेतृत्व में सदस्यता महा पर्व अभियान के अंतर्गत भाजपा अनुसूचित जात मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत

रावत के नेतृत्व में बुधवार को विधानसभा घोरावल के ग्राम पंचायत मानपुर में महापर्व सदस्यता कैंप लगाकर सम्मानित जनता जनार्दन का भाजपा से जोड़ने का काम किया गया । भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य व प्रदेश सदस्य रामचंद्र कनौजिया के दिशा निर्देश के क्रम में अनुसूचित मोर्चा द्वारा कैंप लगाकर भाजपा महापर्व सदस्यता अभियान कराया जा रहा है इसी क्रम में बुधवार को 86 लोगो को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई गई। वही सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि भाजपा संगठन जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के दिशा निर्देश के क्रम में अनुसूचित मोर्चा द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक भाजपा सदस्यता अभियान घर-घर पहुंचकर किया जा रहा है वहीं अनुसूचित मोर्चा के बूथ अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्ष एवं अन्य प्रभारी को इसकी जिम्मेदारी दी गई है अपने-अपने क्षेत्र में मिलि जिम्मेदारियां का निर्माण करते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जोड़ने का काम करें ।

लक्ष्मण ने काटी सूपर्णखा की नाक, रावण ने किया सीता का हरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। श्री रामलीला समिति सोनभद्र नगर द्वारा आयोजित रामलीला के छठे दिन प्रयागराज के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध नक्कटैया व खर-दूषण वध, सीताहरण का जीवंत मंचन किया। पूरा पंडाल दर्शकों से खचाखच भरा रहा। बीच-बीच में श्रीराम के जयकारे लगते रहे। इसके पूर्व दोपहर में नगर के रामसरोवर तालाब पर प्रभु श्री राम- माता जानकी भ्राता लक्ष्मण के साथ गंगा के तट केवट के द्वारा पार कराने की लीला दिखाई गई। इस मर्मज्ञ लीला को देखने के लिए नगर की ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की काफी भीड़ रामसरोवर तालाब के चारों तरफ जुटी हुई थी। लीला शुरू होते ही वहां पर सभी श्रद्धालुओं की आंखें प्रभु के इस स्वरूप को निहार रही थी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, राकेश गुप्ता, कृष्ण मुरारी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, प्रशांत जैन, बलराम सोनी, विनोद कनोडिया, चंदन केसरी दीपू पटेल, राजू, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक राहुल, नगर कार्यवाह महेश, वरिष्ठ अधिवक्ता गिरजा शंकर द्विवेदी, मिठाई लाल सोनी, राकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, दीपू पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

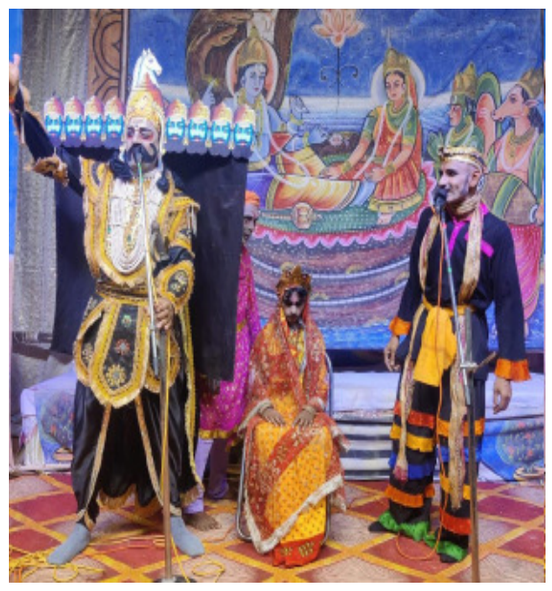

म्योरपुर में खुले आदिवासी महिला डिग्री कॉलेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुध्दी, सोनभद्र ।बुधवार को सरकारी उच्च शिक्षा का समुचित इंतजाम न होने के कारण आदिवासी

बच्चे बड़े पैमाने पर पढ़ाई को छोड़ने के लिए मजबूर हो रहें है।हालत इतनी बुरी है कि प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के लिए सरकारी नौकरी में आरक्षित सीटें खाली रह जा रही है और उन्हें दूसरे जाति समूहों द्वारा भरा जा रहा है। इसलिए म्योरपुर में सरकारी आदिवासी महिला डीग्री कालेज बनाने और पोखरा में बने कालेज को चालू कराने के सवाल पर लंबे समय से आंदोलन कर रहे युवा मंच के पदाधिकारियों ने दुध्दी के विधायक व पूर्व मंत्री विजय सिंह गोंड से मिलकर अपना ज्ञापन सौंपा। युवा मंच की संयोजक सविता गोंड, ओबरा डिग्री कॉलेज की छात्र नेता गुंजा गोंड, सुगवंती गोंड, प्रशांत दुबे और राजकुमारी गोंड ने दिए ज्ञापन में कहा कि आदिवासी बाहुल्य दुद्धी में शिक्षा का बुरा हाल है। बेहद कम सरकारी इंटर कॉलेज और एक सरकारी डिग्री कॉलेज होने के कारण बच्चों समाज में योगदान करने की इच्छा के बावजूद शिक्षा से वंचित होना पड़ रहा है। यहां पूर्ववर्ती सपा सरकार के समय निर्मित किया गया पोखरा राजकीय डिग्री कॉलेज 8 साल बाद की चालू नहीं हो सका है। ज्ञापन देने के बाद प्रेस को जारी अपने बयान में युवा मंच नेताओं ने कहा कि केंद्र की सरकार आदिवासियों के साथ छल कर रही है। अभी झारखंड में धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष महाअभियान पीएम द्वारा शुरू किया गया। इसमें कहा गया कि 83000 करोड़ की 17 परियोजनाओं को देश के 500 से भी ज्यादा जिलों में आदिवासियों के विकास के लिए लागू किया जाएगा। जबकि केंद्र सरकार द्वारा जनजाति सब प्लान में मनरेगा, शिक्षा-स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के मदों में भारी कमी की गई है। आदिवासी कल्याण की सरकारी घोषणाओं के सच को एक उदाहरण से समझा जा सकता है पूरी देश में आदिवासी छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था के लिए आदिवासी सब प्लान में महज10 लाख रुपए आवंटित किए गए। वहीं दूसरी तरफ जनजाति सब प्लान का करोड़ों रुपए हाईवे, टेलीकॉम, सेमीकंडक्टर निर्माण, जल जीवन, सौर ऊर्जा आदि कॉर्पोरेट घरानों को सीधे मदद पहुंचाने वाली योजनाओं पर दिया गया है। युवा नेताओं ने दुद्धी विधायक से अपील की कि वह विधानसभा में यहां आदिवासी बच्चों की शिक्षा के सवाल को उठाएं और उत्तर प्रदेश सरकार से कहें कि वह तत्काल आदिवासियों बच्चों की शिक्षा के सवाल को हल करें।

सम्पूर्णता अभियान का किया गया भव्य तरीके से समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम के समापन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधिका पटेल, मा0 विधायक घोरावल डा0 अनिल कुमार मौर्य, मा0 सासंद प्रतिनिधि सुनील गौड़ जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी ने दीप प्रज्जवलन व मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण कर किया, इस अवसर पर मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधिका पटेल ने कहा कि सम्पूर्णता अभियान में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सराहनीय कार्य किये गये है जिसके कारण से ब्लॉक हेतु निर्धारित छः सूचाकों में से पॉच सूचांक चतरा ब्लॉक संतृप्त हुआ है इसके लिए मैं सभी बधाई देती हूँ, इस अवसर पर मा0 विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि जनपद सोनभद्र आकांक्षी जनपदों के श्रेणी में आता है जिसमें सम्पूर्णता अभियान के तहत 04 जुलाई से 30 सितम्बर तक विशेष अभियान चतरा ब्लॉक में चलाया गया

और 05 सूचक पर ब्लॉक संतृप्त हुआ इसी तरह से अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा बेहतर तरीके से कार्य किया गया तो जनपद पूरी तरह से सारें सूचांकों पर संतृप्त होगा और विकास के पथ के ओर अग्रसर होगा। इस अवसर जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नीति आयोग द्वारा जो 06 सूचक निर्धारित किये गये है उसमें से जनपद स्तर पे 04 सूचक संतृप्त हुए है और ब्लॉक स्तर पर 05 सूचक संतृप्त हुए है उन्होनें कहा कि भारत सरकार द्वारा जो 6 महत्वपूर्ण सूचक निर्धारित किये गये उनकी पूर्ति हो जाने से समाज के ऐसे व्यक्ति का विकास होगा जो विकास के क्षेत्र में अब तक पीछे है सभी अधिकारीगण ने इस सम्पूर्णता अभियान जो 04 जुलाई से 30 सितम्बर तक चलाया गया जिसमें सराहनीय कार्य किये उसके लिए उन्हें बधाई देता हूँ। उस दौरान उन्होनें कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा एक नई योजना की शुरूआत की गयी जिसका नाम है जीरो पावर्टी उत्तर प्रदेश अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों/ग्राम सभाओं मे निवास करने वाले अति निर्धन 25 परिवारो को भोजन, वस्त्र, मकान, चिकित्सा, अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु चिन्हित करते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।

बाल तस्करो के चिन्हाकन हेतु चलाया जायेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस

अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद के रेलवे स्टेशन चोपन स्थित अधीक्षक कार्यालय मे बच्चो के सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय की अध्यक्षता में आज दिनांक-8-10-2024 को मासिक बैठक आहूत की गई इस दौरान बैठक मे जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा पूर्व के बैठक के अनुपालन के संबंध मे समिति के समक्ष बिन्दुवार बताया गया साथ ही यह भी बताया गया किया विगत तीन माह मे एक प्रकरण नाबालिग बालिका का आर पी एफ चोपन द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट को दिया गया है, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय द्वारा सभी सम्बंधित को निर्देशित किया गया कि बाल तस्करी करने वाले तस्करो का चिन्हाकन करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु विशेष अभियान जनपद स्तर पर चला जाये। नीलू यादव द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर सूचित कर सकते है। प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव द्वारा बताया गया कि मानव तस्करी, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम रोकथाम हेतु जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान जनपद स्तर पर संयुक्त टीम द्वारा चलाई जा रही है। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अखिल नारायण देव पाण्डेय, प्रभारी स्टेशन अधीक्षक चोपन विकास कुमार,आर पी एफ चोपन से प्रशांत कुमार, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर नीलू यादव , थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव,आरक्षी पंकज कुमार,जी आर पी चौकी चोपन से अवधेश कुमार,आदि उपस्थित रहे।

ब्रम्हनगर पूजा पंडाल में स्थापित मां की आरती में शामिल भक्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में कलश स्थापना के साथ नित्य पूजा सुबह शाम करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ हो रही है। मंगलवार को संध्या आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां की आरती में हिस्सा लिया। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बताया कि इस बार अष्टमी तिथि की हानी है नवरात्रि में, उदया तिथि में अष्टमी शुक्रवार ग्यारह तारीख को मिल रही है। इसलिए जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के भक्त अष्टमी का व्रत शुक्रवार ग्यारह तारीख को करेंगे।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल खान ने वामपंथी सरकार पर तेज किए हमले, कहा- सीएम ने देश विरोधी अपराधों को लेकर अंधेरे में रखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज्यपाल खान ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक बयान में कई 'देश-विरोधी गतिविधियों'

और 'राज्य-विरोधी गतिविधियों' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री मानते हैं कि राज्य में 'देश विरोधी अपराध' हो रहे हैं। राज्यपाल ने हाल ही में विजयन से उन्हें मिले जवाबी पत्र का हवाला देते हुए यह बात कही। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार पर अपने हमले तेज करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में हो रहे 'देश विरोधी अपराधों' को लेकर उन्हें अंधेरे में रखा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि अब तक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक 'मुख्यमंत्री की इजाजत के बिना' नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं और अब 'उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा।' खान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक बयान में कई 'देश-विरोधी गतिविधियों' और 'राज्य-विरोधी गतिविधियों' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री मानते हैं कि राज्य में 'देश विरोधी अपराध' हो रहे हैं। राज्यपाल ने हाल ही में विजयन से उन्हें मिले जवाबी पत्र का हवाला देते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि जब देश के खिलाफ ऐसे अपराध किए जाते हैं तो उन्हें राष्ट्रपति व केंद्र सरकार को सूचित करना पड़ता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों संग मनाया दशहरा, कहा- भारत पर आंच बर्दाश्त नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दशहरे के मौके पर के सुकना कैंट

में शस्त्र पूजा की। इस दौरान उन्होंने सभी को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दशहरे के मौके पर दार्जीलिंग के सुकना कैंट में शस्त्र पूजा की। वह यहां सेना के जवानों के साथ विजयादशमी मनाने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जवानों के माथे पर तिलक लगाया। उन्होंने सबसे पहले सभी को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। फिर कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां शास्त्रों और शस्त्रों दोनों की पूजा की जाती है। साथ ही उन्होंने पड़ोसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि हम देश पर कोई आंच बर्दाश्त नहीं करेंगे राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां शास्त्रों और शस्त्रों दोनों की पूजा की जाती है। ऐसा लग सकता है कि लोहे और लकड़ी से बनी चीजों की पूजा करने का क्या औचित्य है? लेकिन वास्तव में, यह हमारी विशाल सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है, जिसमें हम किसी भी वस्तु का उपयोग करने से पहले और बाद में उसके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम देख सकते हैं कि सीमाओं पर हमारे सशस्त्र बलों की सतर्क उपस्थिति के कारण किसी भी घटना की संभावना नहीं है। मगर वर्तमान में हम पड़ोसियों की ओर से किसी भी संभावित शरारत को नजरअंदाज नहीं कर सकते। रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद से मैंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि वैश्विक परिदृश्य चाहे जो भी हो - तैयारियों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए और हम सभी को सभी विकल्पों के साथ हमेशा सक्रिय रूप से तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारा दृढ़ संकल्प हमारी जरूरत है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी जानते हैं कि आज का यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। जब भगवान राम को बुराई पर विजय हासिल हुई तो यह मानवता की जीत थी। हमने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया क्योंकि हमारे दिल में किसी से दुश्मनी नहीं है। हमने तभी लड़ाई लड़ी है जब किसी देश ने हमारी अखंडता और संप्रभुता का अनादर किया हो, जब किसी देश ने धर्म, सच्चाई और मानवीय मूल्यों के खिलाफ युद्ध शुरू किया हो। शास्त्र की पूजा करना एक प्रतीक है कि जरूरत पड़ने पर अपनी पूरी ताकत से इस्तेमाल किया जा सकता है।

भारत ने ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस के साथ समझौते पर किया हस्ताक्षर जैव ईंधन को मिलेगा नया रूप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत सरकार ने जैव ईंधन को एक नया स्वरूप देने के लिए ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया है। विदेश मंत्रालय ने इस बात की जानकारी साझा करते हुए बताया

कि भारत सरकार के इस कदम से देश में जैव ईंधन को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा भारत ने जैव ईंधन को नया स्वरूप देने के लिए एक अनोखी पहल की ओर अपना कदम आगे किया है। जी 20 में कई मेजबान देशों के साथ शुरू की गई पहल ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस के साथ अब भारत ने समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय ने साझा की है। भारत सरकार की ओर से उठाए गए इस कदम से अब जैव ईंधन को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस के साथ मेजबान देश समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद अब भारत में एलायंस का सचिवालय आधिकारिक रूप से स्थापित किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर के बारे में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि समझौते पर विदेश मंत्रालय के सचिव दम्मू रवि और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन ने हस्ताक्षर किए, जो वर्तमान में ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस के अंतरिम महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्टूबर को समझौते पर हस्ताक्षर और अनुसमर्थन को पहले ही मंजूरी दे दी थी। विदेश मंत्रालय ने आगे बताया कि यह समझौता ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारियों के संयोजन के साथ भारत में अपना सचिवालय स्थापित करने में सक्षम बनाएगा, जो इसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

बांग्लादेश में हुई हिंसा, हिंदू जहां हैं वहां संगठित रहें',शस्त्र पूजन उत्सव पर बोले संघ प्रमुख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अपने संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि यह वर्ष महत्वपूर्ण है क्योंकि आरएसएस शताब्दी वर्ष में

कदम रख रहा है। उन्होंने कहा कि कोई देश लोगों के राष्ट्रीय चरित्र के कारण महान बनता है। उन्होंने कहा कि भारत का भाव हर किसी की मदद करने का है। पूरा देश आज दशहरा का पर्व मना रहा है। यह पर्व हर वर्ष शारदीय नवरात्रि के समापन के साथ दशमी तिथि को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर हर साल की भांति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी शस्त्र पूजन का आयोजन किया। नागपुर में संघ मुख्यालय पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शस्त्र पूजा की। शस्त्र पूजा के दौरान पद्म भूषण और पूर्व छेंध् प्रमुख के. राधाकृष्णन भी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके अलावा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस , इसरो के पूर्व प्रमुख के सिवन भी संघ मुख्यालय पर उपस्थित रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि यह वर्ष महत्वपूर्ण है क्योंकि आरएसएस शताब्दी वर्ष में कदम रख रहा है। उन्होंने कहा कि कोई देश लोगों के राष्ट्रीय चरित्र के कारण महान बनता है। उन्होंने कहा कि भारत का भाव हर किसी की मदद करने का है। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर भी प्रतिक्रिया दी। ँएए प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमारे पड़ोसी बांग्लादेश में जो हुआ? उसके कुछ तात्कालिक कारण हो सकते हैं, लेकिन जो लोग चिंतित हैं, वे इस पर चर्चा करेंगे। लेकिन, उस अराजकता के कारण, हिंदुओं पर अत्याचार करने की परंपरा वहां दोहराई गई। पहली बार, हिंदू एकजुट हुए और अपनी रक्षा के लिए सड़कों पर उतरे।

बागमती एक्सप्रेस हादसे के बाद बदले कई ट्रेनों के रूट; यात्रियों के लिए खास इंतजाम, तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दरभंगा बागमती एक्सप्रेस शुक्रवार की रात तमिलनाडु के पास कावरईपेट्टई में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस ट्रेन में फंसे यात्रियों की मदद के लिए एक विशेष ट्रेन संचालित की गई। शनिवार को यात्रियों को लेकर विशेष ट्रेन दरभंगा के लिए रवाना हो गई। इस घटना के बाद धनबाद-अलेप्पी, अलेप्पी- धनबाद एक्सप्रेस और कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल ट्रेन समेत कई ट्रेनों के रूट को डायवर्ट किया गया। शक्रवार देर रात कावरैपेट्टई रेलवे स्टेशन पर बागमती एक्सप्रेस एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे बेपटरी हो गए। हादसे के बाद पार्सल बोगी में आग भी लग गई, जिसमें 19 लोग घायल हुए। पेरंबूर से चलने के 10 मिनट बाद ही शुक्रवार रात 8:50 बजे ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। राहत और

बचाव अभियान देर रात तक जारी था। आग पर काबू पा लिया गया था। बारिश के कारण घटनास्थल पर राहत-बचाव अभियान प्रभावित हुआ। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मरम्मत में करीब 16 घंटे का समय लगेगा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि मंत्री, विधायक और सरकारी अधिकारी बचाव अभियान के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं। राज्य सरकार की तरफ से तुरंत 22 एंबुलेंस भेजी गई है। किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। स्टैनली अस्पताल में मेडिकल उपचार दिया जा रहा है। पुलिस विभाग, अग्निशमन एवं बचाव विभाग, जिला प्रशासन, मेडिकल टीम घटनास्थल पर मौजूद हैं। डिप्टी सीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री बचावकार्य पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार को उचित कदम उठाना चाहिए। इस घटना के बाद से कई ट्रेनों का मार्ग डायवर्ट कर दिया गया है। ट्रेन नंबर 13351 धनबाद- अलेप्पी एक्सप्रेस को रेणीगुंटा, मेलपक्कम और काटपाडी होकर चलाया जाएगा। ट्रेन नंबर 06063 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल ट्रेन मेलपक्कम, अरक्कोणम व रेणीगुंटा होकर चलेगी।

आरएसएस ने केरल विधानसभा में अपमानजनक टिप्पणियों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

केरल । दक्षिणपंथी संगठन ने कहा कि यह निंदनीय है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग सदन के अंदर और बाहर यह निराधार आरोप लगा रहे हैं कि इस साल आयोजित हुए त्रिशूर पूरम

में व्यवधान पैदा करने के पीछे संघ का हाथ था। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राज्य विधानसभा के अंदर सत्तारूढ़ और विपक्षी सदस्यों की ओर से संगठन के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। दक्षिणपंथी संगठन ने कहा कि यह निंदनीय है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग सदन के अंदर और बाहर यह निराधार आरोप लगा रहे हैं कि इस साल आयोजित हुए त्रिशूर पूरम में व्यवधान पैदा करने के पीछे संघ का हाथ था। 'त्रिशूर पूरम' केरल के त्रिशूर में आयोजित होने वाला एक वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव है। यह हर साल पूरम के दिन त्रिशूर के वडक्कुनाथन मंदिर में आयोजित किया जाता है।संघ के वरिष्ठ नेता और प्रांत कार्यवाहक (उत्तर केरल) एन ईश्वरन ने पूछा कि किस आधार पर वे ऐसी गलत बातें बोली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संघ नेता इस मामले को लेकर जल्द ही राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और विधानसभा अध्यक्ष एएन शमशीर से मुलाकात करेंगे। संघ नेता ने आरोप लगाया कि मंत्री, विधायक और नेता प्रतिपक्ष सहित जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अपने राजनीतिक लाभ के लिए संघ के नाम का अनावश्यक रूप से इस्तेमाल कर रहे हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

'विश्वंभरा' का टीजर जारी, विजयदशमी पर बुरी ताकतों से लड़ते दिखे चिरंजीवी

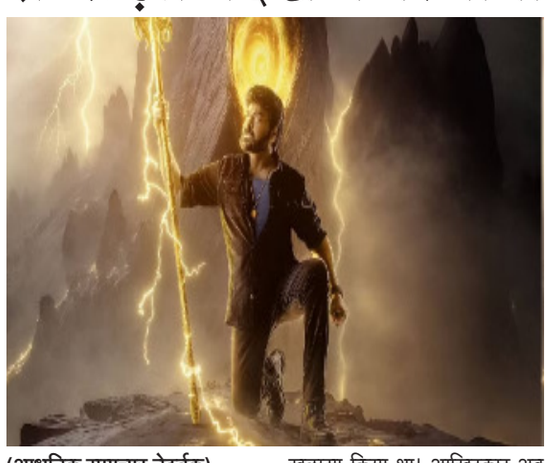

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभरा' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में निर्माताओं ने टीजर रिलीज करने का खुलासा किया था। आखिरकार अब इंतजार खत्म हो चुका है। निर्माताओं ने 'विश्वंभरा' का टीजर जारी कर दिया है, जो फैंस को खूब पसंद भी आ रहा है। टीजर में चिरंजीवी के किरदार की दमदार झलक देखने को मिली है।

दर्शकों को अपने किरदार से चौंकाने को अल्लू अर्जुन तैयार, पुष्पा के सीक्वल पर आई यह नई जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन की तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। उनके करियर में चार चांद लगाने में फिल्म पुष्पा द राइज का बहुत बड़ा हाथ है। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात पैन इंडिया स्टार बना दिया। केवल दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत में भी इस फिल्म से उनकी फैन फॉलोइंग में जबर्दस्त इजाफा देखने को मिला। पुष्पा में अल्लू ने ऐसी शानदार अदाकारी दिखाई की लोग मंत्रमुग्ध हो गए और इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। अब दर्शकों को इस फिल्म के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। बीते कुछ समय में फिल्म की रिलीज डेट कई बार टल चुकी है, लेकिन अब निर्माताओं ने इस फिल्म को पर्दे तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से कमर कस ली है। यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिलीज से पहले पुष्पा 2 को लेकर दर्शकों का उत्साह हर दिन बढ़ता ही चला जा रहा है। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अल्लू अर्जुन हीरो और नकारात्मक किरदार के मिश्रण के साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक तस्कर के किरदार में दिखने वाले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में वह किसी भी तरह से अपनी भूमिका को कोई कमी छोड़ने के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि सुकुमार उन्हें फिल्म में अड़ियल अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करने के लिए काफी ज्यादा मेहनत की है। पुष्पा के पहले भाग की बात करें तो बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म ने हिंदी भाषा में ही 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर दिग्गजों को भी हैरान कर दिया था। वहीं, सभी भाषाओं को मिलाकर यह फिल्म 267.55 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही थी।

ऑस्कर जीतने के बाद अगली फिल्म की तैयारी में क्रिस्टोफर नोलन, मैट डेमन के साथ जमेगी जोड़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो क्रिस्टोफर नोलन अपनी इस फिल्म को 17 जुलाई 2026 में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। इसी कारण वह इस प्रोजेक्ट के लिए एक बार फिर एक नई कहानी के साथ लौट रहे हैं। खबर यह भी है कि निर्देशक फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए मैट डेमन से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक नोलन की तरफ से किसी भी खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। खबर यह भी है कि नोलन इस नई फिल्म के लिए भी अपनी वही पुरानी नीति को अपनाने की तैयारी में हैं। अपनी पिछली परियोजनाओं की तरह नोलन ने अपनी इस फिल्म की कहानी को भी पूरी तरह से गुप्त रखा है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स का यह भी मानना है कि निर्देशक अपनी फिल्म की शूटिंग 2025 शुरू भी कर देंगे। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि ओपेनहाइमर की सफलता के बाद नोलन जल्द ही सबके सामने अपने इस प्रोजेक्ट का खुलासा कर देंगे वहीं, बात करें मैट डेमन की तो अगर अभिनेता ने इस फिल्म के लिए अपनी सहमति जाहिर कर दी तो यह निर्देशक के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा। अभिनेता ने ओपेनहाइमर से पहले साल 2014 की इंटरस्टेलर का भी हिस्सा थे।

अन्य संस्करणों के मुकाबले हिंदी में देर से रिलीज होगी 'लकी भास्कर', इस वजह से लिया गया ये फैसला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। दुलकर सलमान साउथ के फिल्मों के बड़े स्टार हैं। फैंस उन्हें काफी पसंद करते हैं और उनकी फिल्मों को लेकर काफी उत्साहित भी रहती हैं। दुलकर मुख्य रूप से मलयालम फिल्मों में काम करते हैं। हालांकि, उन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। एक बार फिर वह अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। वह जल्द ही आगामी फिल्म 'लकी भास्कर' में नजर आने वाले हैं। अब इस फिल्म को लेकर निर्माताओं ने एक खास फैसला किया है। दुलकर सलमान की जबर्दस्त लोकप्रियता को देखते हुए निर्माता लगातार उनके साथ काम करना चाहते हैं। अपने अभिनय से दुलकर अक्सर दर्शकों पर छाप छोड़ने में कामयाब रहते हैं। इस बार वह अपनी तेलुगु फिल्म लकी भास्कर के साथ एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाले हैं। फिल्म 31 अक्तूबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। देश भर में अभिनेता के लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म के निर्माताओं ने इस फिल्म को हिंदी राज्यों में भी बड़े पैमाने पर रिलीज करने की योजना बनाई है, जिसे लेकर एक खास रणनीति बनाई गई है। 'लकी भास्कर '31 अक्तूबर को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ संस्करणों में एक साथ 31 अक्टूबर को रिलीज होगी। हालांकि, इस फिल्म के हिंदी संस्करण को लेकर एक अलग योजना बनाई गई है, जिसके तहत फिल्म को हिंदी में एक हफ्ते के बाद रिलीज किया जाएगा। ऐसे करने के पीछे निर्माताओं की कोशिश है कि वो बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिंघम अगेन' से टकराव को टाल सकें। 'सिंघम अगेन' 1 नवंबर को रिलीज हो रही है, जिसे लेकर हिंदी दर्शकों में काफी उत्साह भी है, ऐसे में लकी भास्कर के निर्माताओं का फैसला सुरक्षात्मक है, ताकि वो अपनी फिल्म को होने वाले नुकसान से बचा पाएं।लकी भास्कर' नवंबर के पहले सप्ताह में रिलीज हो सकती है। फिल्म में दुलकर सलमान के अलावा युवा अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी एटलुरी ने किया है और फिल्म का निर्माण एस नागा वामसी और साई सौजन्या ने सिथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले किया है। फिल्म को श्रीकारा स्टूडियोज बैनर प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म में स्टार कॉलीवुड संगीतकार जीवी प्रकाश कुमार ने संगीत दिया है।

अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया 'दलपति 69' के लिए संगीत, गाने में विजय चलाएंगे अपनी आवाज का जादू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म 'दलपति 69' अपने एलान के बाद से ही सुर्खियां बटोर रही हैं। दर्शकों को फिल्म से जुड़ी जानकारियों का बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने एक-एक कर फिल्म के कलाकारों के नाम से पर्दा उठा दिया है और हाल ही में मुहूर्त पूजा के साथ फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। अभिनेता फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। इस प्रोजेक्ट में विजय मशहूर संगीत निर्देशक अनिरुद्ध रविचंदर के साथ फिर से जुड़ेंगे। युवा संगीतकार ने कथित तौर पर दलपति 69 के लिए संगीत रचना शुरू की है और रिकॉर्डिंग स्टूडियो से उनकी नवीनतम क्लिक अब वायरल हो रही है। संगीतकार वर्तमान में थलपति विजय और एच विनोत की अनटाइटल्ड फिल्म के पहले सिंगल की रचना में व्यस्त हैं।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे रिकॉर्डिंग स्टूडियो से हाल ही में क्लिक में अनिरुद्ध रविचंदर अपने अनोखे दिखने वाले रिकॉर्डिंग स्टूडियो में अपने कंसोल पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले बताया गया था कि दलपति 69 के पहले सिंगल को 'वन लास्ट सॉन्ग' शीर्षक दिया गया है। इस गाने को खुद विजय ही अपनी आवाज देंगे।

नाटू-नाटू' गाने पर खूब थिरकती हैं आलिया की बेटी राहा, अभिनेत्री के घर में हर दिन बजता है यह गाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। आलिया भट्ट के प्रशंसक जब भी सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की रणबीर और राहा के साथ मनमोहक तस्वीरें देखते हैं, तो वह उत्साह से भर जाते हैं। वह राहा के बारे में जानना पसंद करते हैं। आलिया भट्ट भी फिल्म के प्रमोशनल इवेंट्स में बेटी राहा के बारे में दिलचस्प किस्सों का खुलासा करती रहती हैं। अब हाल ही में, आलिया ने बताया है कि राहा किस गाने को सुनकर थिरकती हैं। हाल ही में, आलिया ने खुलासा किया कि छोटी राहा को जूनियर एनटीआर और रामचरण पर फिल्माया गया गाना नाटू-नाटू बहुत पसंद है और वे इसके स्टेप्स करने की कोशिश भी करती हैं, लेकिन इतनी छोटी होने के कारण वह अभी तक उन्हें करने में सक्षम नहीं है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, आलिया ने बताया, ठनाटू नाटू सच में मेरे घर में हर दिन बजता है। राहा, मेरी बेटी को 'नाटू-नाटू' बहुत पसंद है। वह गाना बजाती है और कहती है, 'मम्मा, नाटू नाटू बजाओ,' फिर हम गाना बजाते हैं, और वह कहती है, 'मम्मा, यहां आओ,' और वह मुझे किसी के सहारे खड़ा करती है, और फिर हम यह स्टेप करते हैं। उन्होंने आगे कहा, जाहिर है, वह यह स्टेप करना नहीं जानती, लेकिन उसने किसी अवॉर्ड फंक्शन में मेरा नाटू-नाटू करते हुए वीडियो देखा था और कहा, 'मामा का नाटू-नाटू करते हुए वीडियो दिखाओ।ठ दिल्ली और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आलिया भट्ट से पूछा गया कि वह अपनी बेटी को सबसे पहले कौन सा गाना दिखाना चाहेंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने जवाब दिया कि एक दिन पहले ही राहा ने उनका पहला गाना देखा था , जो स्टूडेंट ऑफ द ईयर की 'राधा तेरी चुनरी' थी।इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया अगली बार वासन बाला की जिगरा में वेदांग रैना के साथ नज़र आएंगी। यह फिल्म 11 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जूनियर एनटीआर ने दर्शकों पर फोड़ा 'देवरा' के खराब प्रदर्शन का ठीकरा, कहा- लोगों ने गलत तरह से जज किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा' सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर दमदार कमाई भी की थी, साथ ही समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया भी मिली, लेकिन इसे फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से मिली-जुली समीक्षा मिली। जबकि फिल्म ने सोमवार तक दुनिया भर में 466 करोड़ रुपये की कमाई की है, इसका प्रदर्शन प्रभास-स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' जैसी और हालिया भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्मों की तुलना में कम है।

अब हाल ही में, जूनियर एनटीआर ने अपनी फिल्म 'देवरा' के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन का कारण बताया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। निर्देशक कोरटाला शिवा की देवाराः पार्ट 1 जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं और यह फिल्म लगातार अच्छी कमाई कर रही थी, लेकिन अब दर्शक फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख नहीं कर रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि फिल्म उतना प्रभाव नहीं डाल पाई है, जितनी उम्मीद की जा रही थी।इस फिल्म ने वैश्विक ब्लॉकबस्टर आरआरआर के बाद दो साल बाद जूनियर एनटीआर की सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की है, उम्मीदें तो काफी ज्यादा थीं।,लेकिन इसे फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से मिली-जुली समीक्षा मिली। जबकि फिल्म ने सोमवार तक दुनिया भर में 466 करोड़ रुपये की कमाई की है, इसका प्रदर्शन प्रभास-स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' जैसी और हालिया भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्मों की तुलना में कम है।

कंगना रनौत से लेकर शाहिद कपूर तक, इन बॉलीवुड सितारों ने खास अंदाज में दी दशहरा की शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। दशहरा त्योहार को बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। दशहरा को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। इस त्यौहार पर बॉलीवुड के सितारों ने भी सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को बधाई दी है। आइए आपको बताते हैं त्यौहार पर किस अंदाज में बॉलीवुड सेलेब्स ने बधाई दी है। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रशंसकों को दशहरे की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, 'जब आप उस चीज का सामना करते हैं, जिससे आप डरते हैं, तब आप उस जीवन को जीना शुरू करते हैं, जो आप हमेशा से जीना चाहते थे'। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर ने भी सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा, 'आप खुद से ही सबसे बड़ा युद्ध लड़ते हैं। जब आप इससे जीत जाएंगे, आप सब कुछ जीत जाएंगे'। अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं। कंगना रनौत ने लिखा, 'बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की जीत के महापर्व विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं'।परिणीति चोपड़ा ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दशहरा की शुभकामनाएं अपने प्रशंसकों को दी हैं। उन्होंने लिखा,'आप सभी को दशहरा की शुभकामनाएं। ये त्योहार आपके जीवन में खुशियां और शांति लाए। ये दिन हम सभी के जीवन को रोशन कर जाए'।

मन की आंखों से लिखे गीत, संगीत के इस नायक के बिना 'रामायण' भी होती अधूरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतवर्ष की धरती पर एक ऐसे संगीतकार और गीतकार का जन्म हुआ, जो शरीर की आंखों से नहीं देख सकता था, लेकिन उसने अपनी मन की आंखों से जो कुछ देखा और दिखाया वह आंख वाले भी कम ही देख पाते हैं। हम बात कर रहे हैं संगीतकार रविंद्र जैन की, जिनके गीतों के बिना रामानंद सागर की 'रामायण' भी अधूरी है। रविंद्र का जन्म 28 फरवरी 1944 को जिला अलीगढ़ के मोहल्ला कनवरीगंज में हुआ था। वह जन्म से ही देख नहीं सकते थे, लेकिन उनकी मन की आंखों से कोई रंग अछूता नहीं रहा। रविंद्र जैन के पिता इंद्रमणि जैन आयुर्वेदाचार्य थे। वह सात भाई-बहन थे। रविंद्र की दृष्टि में प्रकाश ना होने के कारण सभी उनके भविष्य को लेकर काफी चिंतित रहते थे। कहा जाता है कि महाकवि सूरदास से प्रेरित होकर उन्होंने संगीत की साधना शुरू की। वह कोलकाता गए जहां पर उनकी साधना को साधन मिले। इसके बाद उन्होंने मुंबई का रुख कर लिया। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'सौदागर' से की। इस फिल्म के लिए उन्होंने गीत लिखे भी और संगीतबद्ध भी किया। रविंद्र जैन ने फिल्मों के लिए दर्जनों होली के गीत लिखें और उन्हें संगीतबद्ध किया।

600 करोड़ क्लब में एंट्री करने से कुछ दूर स्त्री 2

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब राज किया है। फिल्म ने ब्लॉकबस्टर बनकर तमाम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। गजब को यह है कि फिल्म का धमाल अब भी जारी है। श्रद्धा की फिल्म का क्रेज दर्शकों पर ऐसा चढ़ा कि लोगों ने फिल्म को सिनेमाघरों में जाकर कई बार देखा है। वहीं बात करें 'देवरा' की तो जूनियर एनटीआर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भले ही जबर्दस्त ओपनिंग ली थी, लेकिन अब सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ इकट्ठा करने में कामयाब नहीं हो पा रही है। आइए जानते हैं कि मंगलवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 'स्त्री 2' ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी स्त्री का सीक्वल है, जो 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म 14 अगस्त, 2024 की रात को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 600 करोड़ क्लब में एंट्री करने से कुछ ही कदम दूर है। फिल्म की रिलीज को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन दर्शक अभी भी फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। हालांकि, अब धीरे-धीरे फिल्म का कलेक्शन कम हो रहा है और इसे ओटीटी पर रिलीज करने की तैयारी चल रही है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'स्त्री 2' ने 55वें दिन का कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने मंगलवार को 45 लाख का कारोबार किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 595.5 करोड़ रुपये पहुंच गई है। साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा' सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले दिन जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला था। फिल्म ने ओपनिंग डे पर दमदार कमाई भी की थी, साथ ही समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया भी मिली, लेकिन अब दर्शकों के सिर से 'देवरा' का क्रेज उतरता नजर आ रहा है। जूनियर एनटीआर ने दो साल बाद फिल्म 'देवरा पार्ट वन' से बड़े पर्दे पर वापसी की है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 12वें दिन 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। अब देखना है कि फिल्म आने वाले दिनों में कितनी कमाई करती है।

सम्पादकीय

एक साथ चुनाव की तैयारी, 1967 तक एक साथ होते थे लोकसभा और विधानसभा चुनाव

एक साथ चुनाव केवल इसलिए नहीं होने चाहिए कि देश को बार-बार होने वाले चुनावों से मुक्ति मिलेगी। ये इसलिए भी होने चाहिए ताकि

संसाधनों की बचत के साथ चुनावी माहौल के कारण पैदा होने वाली अनावश्यक राजनीतिक कटुता से बचा जा सके। बार-बार चुनाव होते रहने से सरकारों को अपनी प्राथमिकताओं में फेरबदल करने के लिए भी बाध्य होना पड़ता है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर गृहमंत्री अमित शाह ने जिस तरह यह स्पष्ट किया कि 2029 के पहले एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था कर दी जाएगी, उससे यह स्पष्ट है कि सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता का परिचय एक साथ चुनाव कराने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित समिति से भी मिला था। इस समिति ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद अपनी रिपोर्ट में उन बाधाओं को दूर करने के उपाय सुझाए हैं, जो एक साथ चुनाव कराने में आड़े आ सकती हैं। यह रिपोर्ट यही बताती है कि एक साथ चुनाव के विरोध में दिए जा रहे तर्क खोखले ही अधिक हैं। ये तर्क इसलिए भी खोखले साबित होते हैं कि 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे। आखिर इस तथ्य के आलोक में यह कैसे कहा जा सकता है कि एक साथ चुनाव कराना संविधानसम्मत नहीं? क्या जब एक साथ चुनाव होते थे तो वे संविधान की उपेक्षा करके होते थे? इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब भी लोकसभा के साथ कुछ विधानसभाओं के चुनाव होते हैं। इस बार लोकसभा के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के चुनाव हुए। आखिर जब लोकसभा के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हो सकते हैं तो शेष राज्यों के क्यों नहीं हो सकते? वास्तव में यह दलील विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति का ही परिचायक है कि एक साथ चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं। एक साथ चुनाव केवल इसलिए नहीं होने चाहिए कि देश को बार-बार होने वाले चुनावों से मुक्ति मिलेगी। ये इसलिए भी होने चाहिए, ताकि संसाधनों की बचत के साथ चुनावी माहौल के कारण पैदा होने वाली अनावश्यक राजनीतिक कटुता से बचा जा सके। बार-बार चुनाव होते रहने से सरकारों को अपनी प्राथमिकताओं में फेरबदल करने के लिए भी बाध्य होना पड़ता है। इससे विकास एवं जनकल्याण के काम प्रभावित होते हैं। एक साथ चुनाव में यदि कुछ बाधक है, तो वह है राजनीतिक संकीर्णता। राष्ट्रहित में इस संकीर्णता का परित्याग किया जाना चाहिए। क्या ऐसे देशों को कम लोकतांत्रिक कहा जा सकता है, जहां संसद के साथ विधानसभाओं के भी चुनाव होते हैं? यह ठीक नहीं कि एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे राजनीतिक दल अन्य राजनीतिक एवं चुनावी सुधारों को अपनाने से भी बच रहे हैं। समय की मांग तो यह है कि उन्हें न केवल एक साथ चुनाव पर सहमत होना चाहिए, बल्कि ऐसी कोई व्यवस्था बनाने पर भी राजी होना चाहिए, जिसमें प्रत्याशियों वे चयन में कार्यकर्ताओं और साथ ही जनता की भी भागीदारी हो।

अब भी अराजकता से घिरा बांग्लादेश, मोहम्मद यूनुस को परवाह नहीं

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुए दो माह से अधिक का समय हो गया है, लेकिन वहां से विचलित और चिंतित करने वाली खबरें आने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यदि कभी मोहम्मद यूनुस से भेंट होती है तो पूछूंगी कि ऐसा क्यों है? 2005 में

जब फ्रांस में उनसे मुलाकात हुई थी तो उन्होंने बार-बार मुझसे कहा था, 'बांग्लादेश लौट आइए।' मैंने कहा था, 'कैसे लौटूं? मुझे तो वहां की सरकार आने ही नहीं देगी।' इस पर उन्होंने कहा था, 'आने न देने का क्या मतलब है? वह तो आपका ही देश है। अपने देश में जाना और रहना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। इस अधिकार को बाधित करने का अधिकार किसी सरकार के पास नहीं है।' मैंने दुखी मन से कहा था, 'मैं तो कितनी बार दूतावास जा चुकी हूं। न तो मुझे वीजा दिया जाता है, न ही मेरा पासपोर्ट रीन्यू होता है।' उन्होंने मेरी मदद करने का वादा किया था। अब यह जानने की इच्छा हो रही है कि उन्होंने मेरे लिए क्या कुछ किया होगा? शायद तब कई कारणों से मेरे हित में कुछ करना उनके लिए संभव नहीं रहा होगा, लेकिन अब तो वह सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर हैं। अब तो सब कुछ उनके ही हाथ में है। क्या वह डर रहे हैं? उनके आसपास जो लोग हैं, वे सब कट्टरपंथी हैं। यह बात मुझसे बेहतर वह जानते हैं। क्या उन्हें डर लग रहा है कि मेरी मदद करने पर नए जिहादी दोस्त कहीं उनसे नाराज न हो जाएं। आखिर इस उम्र में वह किनके साथ खड़े हैं? क्या उन्हें अफसोस नहीं हो रहा? मेरे तो तीस साल निर्वासन में बीत गए। बाकी जितनी उम्र बची है, वह भी इसी तरह गुजर जाएगी। कम से कम मैं इस गर्व के साथ मर सकूंगी कि अपनी सुख-सुविधा के लिए कभी मैंने अपने शत्रु के साथ समझौता नहीं किया।

इंडी अलायंस पर हरियाणा के साइड-इफेक्ट्स

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने भारतीय राजनीति में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, जो एक समय भारत की सबसे प्रभावी राजनीतिक पार्टी थी, अब लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। यह हार कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राज्य चुनाव की हार नहीं है, बल्कि इससे पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा पर भी असर पड़ सकता है। हरियाणा चुनाव में इंडी अलायंस के सपनों की

कब्रगाह तैयार हो गई। अब महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली की चुनौती सामने है! चुनाव आयोग के सामने कांग्रेस ईवीएम का संताप जता चुकी। राहुल गांधी समीक्षा बैठक में पार्टी के ही कई नेताओं की लू उतार चुके। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस को उम्मीद थी और इंडी अलायंस के कई दलों को लगता था कि कांग्रेस उनके लिए बड़े भाई की भूमिका निभाती रहेगी, लेकिन अब छोटे भाइयों ने ही दूर छिटकना शुरू कर दिया। घरों में बंटवारे की हर दीवार की शुरुआत मामूली शिकायतों से होती है। यहां भी हाल यही है कि हर छोटा भाई बड़े भाई से बड़ा बलिदान चाहता ह हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने भारतीय राजनीति में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, जो एक समय भारत की सबसे प्रभावी राजनीतिक पार्टी थी, अब लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। यह हार कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राज्य चुनाव की हार नहीं है, बल्कि इससे पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा पर भी असर पड़ सकता है।हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी की राष्ट्रीय स्थिति को भी कमजोर किया है। जहां कांग्रेस की स्थिति पहले ही कई राज्यों में कमजोर हो चुकी है, इस हार ने पार्टी के भविष्य को लेकर और भी अनिश्चितता बढ़ा दी है।कांग्रेस को न सिर्फ आंतरिक असंतोष का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उसके संगठनात्मक ढांचे में भी कमजोरी नज़र आ रही है। यह हार कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखी जा सकती है। पार्टी को जनता से जुड़े मुद्दों पर और आक्रामकता से काम करना होगा, विशेषकर ग्रामीण और किसान वर्ग के मुद्दों पर जो हरियाणा जैसे राज्यों में अहम हैं। पार्टी का संगठन जिला, तहसील, ब्लॉक स्तर पर मजबूत करना ही होगा। राहुल गांधी समीक्षा बैठक में पार्टी के ही कई नेताओं की लू उतार चुके। हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस को उम्मीद थी और इंडी अलायंस के कई दलों को लगता था कि कांग्रेस उनके लिए बड़े भाई की भूमिका निभाती रहेगी, लेकिन अब छोटे भाइयों ने ही दूर छिटकना शुरू कर दिया। घरों में बंटवारे की हर दीवार की शुरुआत मामूली शिकायतों से होती है। यहां भी हाल यही है कि हर छोटा भाई बड़े भाई से बड़ा बलिदान चाहता ह हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने भारतीय राजनीति में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, जो एक समय भारत की सबसे प्रभावी राजनीतिक पार्टी थी, अब लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। यह हार कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राज्य चुनाव की हार नहीं है, बल्कि इससे पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा पर भी असर पड़ सकता है।हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी की राष्ट्रीय स्थिति को भी कमजोर किया है। राहुल गांधी के सामने चुनौती सिर्फ विपक्ष से नहीं, बल्कि अपनी पार्टी के भीतर से भी है। उन्हें अब न सिर्फ चुनावी रणनीतियों में बदलाव करना होगा, बल्कि जनता के बीच अपनी विचारधारा को और मजबूत तरीके से पेश करना होगा। किसानों, युवाओं, और महिलाओं जैसे महत्वपूर्ण वोट बैंक पर ध्यान देना उनके लिए आवश्यक होगा। हरियाणा की हार का असर सिर्फ कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके प्रभाव 'इंडिया गठबंधन' पर भी पड़ सकते हैं। 'इंडिया' गठबंधन की सफलता की उम्मीद कांग्रेस के प्रदर्शन पर निर्भर करती है, क्योंकि यह गठबंधन भाजपा के खिलाफ एक साझा विपक्ष के रूप में उभरा है। हरियाणा जैसे महत्वपूर्ण राज्य में हार से गठबंधन की एकता और स्थिरता पर सवाल उठ सकते हैं। यह हार गठबंधन के अन्य दलों के लिए एक सीख हो सकती है कि उन्हें जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन और रणनीतियों पर काम करना होगा। अगर कांग्रेस खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश नहीं कर पाती है, तो गठबंधन के अन्य सदस्य इस नेतृत्व पर प्रश्न खड़े कर सकते हैं। दूसरी ओर, हरियाणा में कांग्रेस की हार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के लिए सकारात्मक संकेत हो सकता है। भाजपा लंबे समय से अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हरियाणा में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और यह हार भाजपा के लिए भविष्य की राजनीतिक बढ़त के रूप में काम कर सकती है। एनडीए इस जीत को विपक्ष की कमजोरी के रूप में प्रचारित कर रहा है, जिससे आगामी चुनाव में उन्हें फायदा हो सकता है। यह गठबंधन अपने विकास और राष्ट्रवाद के एजेंडे को और मजबूती से पेश कर सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां विपक्षी गठबंधन कमजोर दिखाई देता है। हरियाणा में कांग्रेस की हार भारतीय राजनीति के लिए कई महत्वपूर्ण संदेश देती है। कांग्रेस को अपने संगठनात्मक ढांचे, चुनावी रणनीतियों और जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाने के तरीकों पर गहराई से विचार करना होगा। राहुल गांधी को अपनी राजनीति को और स्पष्ट और प्रभावी बनाना होगा, ताकि पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश किया जा सके।'इंडिया गठबंधन' के लिए यह समय है कि वह अपने रणनीतिक दृष्टिकोण को पुनः परिभाषित करे, जबकि भाजपा और एनडीए इसे अपने लिए एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। इस हार से विपक्ष के सामने नई चुनौतियां हैं, और सत्ता पक्ष के लिए नई संभावनाएँ। हरियाणा की हार भारतीय राजनीति के बदलते परिदृश्य का प्रतीक है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि यह हार कांग्रेस, राहुल गांधी और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को कैसे प्रभावित करती है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार ने 'इंडिया' गठबंधन के भीतर नए समीकरणों और चिंताओं को जन्म दिया है। यह गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनडीए के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी ध्रुव के रूप में उभरा था, लेकिन कांग्रेस जैसी प्रमुख पार्टी की लगातार हार से गठबंधन में तनाव और असमंजस बढ़ सकता है। आम आदमी पार्टी पहले ही हरियाणा में अपने रुख को साफ़ कर चुकी है। समाजवादी पार्टी (सपा) उत्तर प्रदेश में एक मजबूत क्षेत्रीय दल है और अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ कई मौकों पर सहयोग किया है, लेकिन हरियाणा की हार के बाद सपा की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं। अखिलेश यादव का मुख्य ध्यान उत्तर प्रदेश की राजनीति पर है, जहां कांग्रेस कमजोर स्थिति में है। अखिलेश इस स्थिति का फायदा उठाकर सपा को गठबंधन में और मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। सपा का रुख अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वह गठबंधन के भीतर अपनी भूमिका कैसे निभाती है। अगर कांग्रेस अपने राज्यों में चुनावी प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर पाती है, तो सपा का रवैया कांग्रेस से दूरी बनाने की ओर भी बढ़ सकता है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी बंगाल की राजनीति में एक अजेय नेता मानी जाती हैं। हरियाणा में कांग्रेस की हार से ममता बनर्जी को यह समझने का मौका मिल सकता है कि कांग्रेस अब कई राज्यों में प्रभावशाली नहीं रही है। ममता बनर्जी पहले भी कांग्रेस के प्रति स्वतंत्र और निर्णायक रुख अपनाती रही हैं। हरियाणा की हार के बाद ममता बनर्जी का कांग्रेस के प्रति सहयोग थोड़ा कमजोर हो सकता है। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपनी खुद की शक्ति पर निर्भर है, और ममता यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि गठबंधन के भीतर कांग्रेस पर उनकी निर्भरता कम हो। हालांकि, भाजपा के खिलाफ लड़ाई में दोनों पार्टियों के हित एकजुट हो सकते हैं, लेकिन नेतृत्व की प्राथमिकताएं भिन्न हो सकती हैं।नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर में एक प्रमुख पार्टी है, और फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के साथ लंबे समय से गठबंधन संबंध बनाए रखा है। हरियाणा की हार का नेशनल कॉन्फ्रेंस पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसका संकेत यह हो सकता है कि कांग्रेस को अब अपने नेतृत्व की कमजोरी और संगठनात्मक ढांचे पर काम करना चाहिए। चार निर्दलीय विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दे दिया है, जिसके बाद अब उमर अब्दुल्ला के समर्थक विधायकों की संख्या 46 हो हो गई है। (पांच मनोनीत सदस्यों को नहीं गिना जाए तो)90 सदस्यों के सदन में उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनने और बने रहने के लिए कांग्रेस की कोई ज़रूरत नहीं है नहीं है। उमर अब्दुल्ला रुख भी बीजेपी के लिए बदल रहा है और वे केंद्र से सहयोग करते हुए मोदी-मोदी की रट लगाए हुए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए जम्मू-कश्मीर का मसला सबसे अहम है, और अगर कांग्रेस इस क्षेत्र के मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम करती है, तो गठबंधन में तालमेल बना रहेगा। लेकिन अगर कांग्रेस अपने अन्य राज्यों में कमजोर होती है, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के बिना भी अपनी रणनीतियों पर विचार कर सकती है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का बिहार में अच्छा जनाधार है, और लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के साथ सहयोग जारी रखा है। हरियाणा की हार के बाद, राजद का सहयोग कांग्रेस के साथ बना रह सकता है, लेकिन कांग्रेस को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह भाजपा के खिलाफ मजबूत विकल्प बने। तेजस्वी यादव युवा नेतृत्व के रूप में उभर रहे हैं, और अगर कांग्रेस बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करती है, तो राजद के साथ संबंध और बेहतर हो सकते हैं। अगर कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होती है, तो राजद अपनी स्वतंत्र राजनीतिक रणनीति को और अधिक प्रखर बना सकता है। बिहार में महागठबंधन तभी प्रभावी रहेगा जब कांग्रेस खुद को एक मजबूत भागीदार साबित करेगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना का धड़ा एनडीए से अलग है और कांग्रेस के साथ गठबंधन में है। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना ने साथ मिलकर काम किया है, और भाजपा को चुनौती दी है। हरियाणा की हार का शिवसेना पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसका मतलब यह हो सकता है कि उद्धव ठाकरे गठबंधन के भीतर और अधिक भूमिका निभाने की कोशिश करेंगे। सामना के ताजे सम्पादकीय राहुल गांधी को राजनीति की शिक्षा दे रहे हैं। शिवसेना का कांग्रेस के साथ संबंध सहयोगी बना रह सकता है, लेकिन उद्धव ठाकरे यह सुनिश्चित करेंगे कि महाराष्ट्र में शिवसेना की नेतृत्व भूमिका मजबूत हो। कांग्रेस को यह समझना होगा कि शिवसेना की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं महाराष्ट्र में कांग्रेस से आगे बढ़ सकती हैं, और यह गठबंधन में संतुलन बनाए रखने की चुनौती हो सकती है। हरियाणा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने भी कांग्रेस की आलोचना शुरू कर दी है। कई दलों का मानना है कि अगर उन्हें उचित सम्मान दिया जाता और चुनावी रणनीतियों में शामिल किया जाता, तो नतीजे अलग हो सकते थे। समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों ने कहा कि कांग्रेस ने गठबंधन को केवल नाम मात्र के लिए इस्तेमाल किया और सहयोगी दलों को जमीनी स्तर पर चुनाव में सक्रिय भूमिका नहीं दी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस को गठबंधन के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए थी। तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी ने इस चुनावी हार को कांग्रेस के अहंकार और ओवर कॉन्फिडेंस का परिणाम बताया। उनका मानना है कि अगर कांग्रेस ने गठबंधन की रणनीतियों को समग्र रूप से अपनाया होता, तो भाजपा को टक्कर दी जा सकती थी। इंडिया' गठबंधन के भीतर सहयोगी दल कांग्रेस से उम्मीदें रखते हैं, लेकिन कांग्रेस के प्रदर्शन से उनका रुख बदल सकता है। अगर कांग्रेस महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी पकड़ बनाए नहीं रखती है, तो सहयोगी दल अपनी स्वतंत्र राजनीतिक राहें तलाशने में लग जाएंगे । कांग्रेस के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है, और इसे संगठनात्मक मजबूती, चुनावी रणनीति और जमीनी काम में तेजी लानी होगी ताकि गठबंधन में अपनी केंद्रीय भूमिका बनाए रख सके। इंडिया गठबंधन के भीतर सहयोग और प्रतिस्पर्धा का संतुलन कांग्रेस की राजनीतिक चालों और प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

लोकतंत्र के लिए नैतिकता को सबसे बड़ा मूल्य मानते थे लोकनायक

जेपी की मान्यता है कि जब तक सत्ता और शक्ति का विकेंद्रीकरण नहीं होगा, तब तक संसदीय लोकतंत्र में केंद्रवाद की मजबूती सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के बुनियाद को कभी मजबूत नहीं कर सकती। मौजूदा लोकतंत्र मे जनता की इतनी ही ताकत है कि वह किसी दल की सरकार को सत्तारूढ़ कर सकती है अथवा सत्ता से बेदखल कर सकती है। जयप्रकाश नारायण ने सन 1959 में ''भारतीय- राज्य व्यवस्था की पुनर्रचनाः एक सुझाव'' नामक पुस्तिका लिखी। इस पुस्तिका में जेपी ने प्राचीन अनुभवों तथा आधुनिक आवश्यकताओं के परिपेक्ष में भारतीय राज्य व्यवस्था के पुनर्निर्माण की आवश्यकता को महसूस किया और तदनुसार एक महत्वपूर्ण राजनीतिक दस्तावेज देश के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दस्तावेज में यह बताया गया है कि कैसे लोकतंत्र जिसे जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा बेहतर राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश जाता है, उसमें दरअसल चुनावों के अलावा जनता की व्यापक भागीदारी होती ही नहीं है। जेपी की मान्यता है कि जब तक सत्ता और शक्ति का विकेंद्रीकरण नहीं होगा, तब तक संसदीय लोकतंत्र में केंद्रवाद की मजबूती सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के बुनियाद को कभी मजबूत नहीं कर सकती। मौजूदा लोकतंत्र में जनता की इतनी ही ताकत है कि वह किसी दल की सरकार को सत्तारूढ़ कर सकती है अथवा सत्ता से बेदखल कर सकती है। इसके अलावा लोकतंत्र के विषय में ज्यादा कुछ दावा कोरी बकवास है अथवा शब्दों का अपव्यय। संसदीय लोकतंत्र मे दलीय प्रणाली की खामियों को इंगित करते हुए जे पी कहते हैं- आज संसदीय लोकतंत्र में जो दलीय प्रणाली काम कर रही है, उसमें जनता की इतनी ही भूमिका है कि वह दलों द्वारा चुने प्रतिनिधियों को पांच साल के नियमित समय पर चुन लें,जो उनके कल्याण की चिंता करेगा। जेपी का आग्रह एक ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था से है, जिसमें अधिक से अधिक लोग अपना अधिक से अधिक शासन कर सकें। लोकतंत्र के बारे में अपने विचार स्पष्ट करते हुए जेपी ने कहा है कि- पहली बात यह कि लोकतंत्र की समस्या मूलतः नैतिक समस्या है। संविधान, शासन प्रणाली, निर्वाचन ये लोकतंत्र के अनिवार्य अंग है, किंतु जब तक लोगों में नैतिकता की भावना नहीं रहेगी, लोगों का आचार- विचार ठीक नहीं रहेगा, तब तक अच्छे से अच्छे संविधान और राजनीतिक प्रणाली के बावजूद लोकतंत्र ठीक से काम नहीं कर सकता। लोकतंत्र के लिए नैतिक गुण और मानसिक प्रवृत्तियां आवश्यक हैः पहला सत्य के प्रति निष्ठा, हिंसा से विरक्ति। स्वातंत्र्य से प्रेम और दमन-उत्पीड़न से प्रतिरोध का साहस। सार्वजनिक हित के साथ अपने हित की संगति। दूसरे के विचारों को तवज्जो देने का भाव और सहिष्णुता। उत्तरदायित्व वहन करने के लिए तैयार रहना। सबको समान समझने की भावना ,आस्था और मानव स्वभाव के सुधार के प्रति विश्वास। यह प्रवृत्तियां किसी मनुष्य में जन्मजात तो नहीं होती, लेकिन शिक्षण द्वारा इन्हें प्राप्त करना और उसे अपने जीवन मे ढाल लेना संभव है। यह लोकतंत्र की सफलता की निम्नतम शर्तें हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि किसी जीवंत लोकतंत्र में समयानुकूल संसोधन- परिष्कार लोकतंत्र के बुनियादी सरोकारों को मजबूती प्रदान करता है। जेपी लोकतंत्र की प्रचलित परिभाषा को समाज की आवश्यकताओं और अपने अनुभव के आलोक में एक कुशल समाज वैज्ञानिक की तरह निरंतर जांचते-परखते और पड़ताल करते चलते हैं और इस वजह से वे इस निष्कर्ष पर पहुंच सकें कि संसदीय लोकतंत्र में चाहे जितना सुधार हो, इसके मूलभूत दोष बने ही रहेंगे, क्योंकि इसका ढांचा ही गलत बुनियाद पर खड़ा है। फिर भी लोकतंत्र के हिमायती इससे संतुष्ट है कि इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। संसदीय व्यवस्था में संशोधन एक सीमा के भीतर संसदीय व्यवस्था में संशोधन और सुधार संभव है। जेपी का कहना है कि व्यक्तिगत मतदान पर आधरित, समाज का विकीर्ण रूप ही इस प्रणाली का जनक है। यह कि राज्य व्यक्तियों का योगात्मक स्वरूप नहीं हो सकता। राष्ट्र या समुदाय को जनता के वैयक्तिक मतदान के समकक्ष नहीं रखा जा सकता है। जेपी इस संदर्भ में वाल्टर लिपमैन को उद्धत करते है कि भले ही इसका कोई आधार न हो पर सामान्यतः यह मान लिया जाता है कि मतदान द्वारा लोग अपना अभिमत व्यक्त करते हैं, उसे हम व्यापक रूप से मुक्त तंत्र की संज्ञा देते हैं। आधुनिक लोकतंत्र की सबसे बड़ी खामी यह है कि यह मान्यता ही गलत है। 20वीं शताब्दी के सामूहिक आम चुनावों का अनुभव हमें बताता है कि स्थिति ठीक इसके विपरीत है। जिन समूहों को पूरी सूचना मिलनी चाहिए और जिससे अपने पक्ष की बात किया जाना चाहिए, वह जैसे-जैसे विशाल और विविधता पूर्ण होता जाता है वैसे-वैसे वोटों द्वारा प्राप्त जनमत अवास्तविक होता जाता है। (वाल्टर लिपमैनः द पब्लिक फिलासफी -1956) संसदीय लोकतंत्र के समर्थकों का दावा है की संपूर्ण जनमत का नहीं तो कम से कम बहुमत के प्रतिनिधित्व करने का दवा तो सरकार कर ही सकती है। पर अक्सर यह देखा जाता है कि इस दावे में भी सच्चाई उतनी नहीं है। अभी हाल में सम्पन्न हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनावों से यह बात साबित होती है कि 25ज्ञ से कम वोट पाकर नेशनल कांफ्रेंस की सरकार जम्मू और काश्मीर में बनने जा रही है, जबकि 40ज्ञ से कम वोट पाकर बीजेपी हरियाणा में सरकार बना लेती है। मतलब यह की इन दोनों राज्यों में सरकार बनाने का दावा करने वाले दलों में कोई भी दल कम से कम 50ज्ञ वोट प्राप्त करने का आंकड़ा नहीं पार कर सका। लोकतांत्रिक प्रणाली पर खतरा आज चुनावों में वोट प्राप्त करने के लिए जिस तरह के झूठ-फरेब और असत्य तथ्यों को सत्य की तरह परोसने और जनमत को प्रभावित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उससे लोकतांत्रिक प्रणाली पर यह खतरा पैदा हो रहा है कि जनता उसके बहकावे में आकर अगर निर्णय करने लगे, तो फिर सत्य निष्ठा के प्रति वफादारी, जनहित में किये सरकार के कल्याणकारी कामों का क्या हश्र होगा यह भी एक हकीकत है कि जनता के निर्णय करने के अपना अलग पैमाना होता है। हर चुनावों में ज्यादातर फैसले जनता ने ऐसा किया कि तमाम राजनीतिक पंडितों के अनुमान धरे के धरे रह गये। जैसा कि हालिया हरियाणा चुनाव में देखने को मिला। जे.पी को यह शिकायत है कि सार्वजनिक हित से संबंध किसी प्रश्न को भी जनता के सामने ठीक से प्रस्तुत करने के बजाय तोड़ मरोड़ कर पेश किया जाता है। नतीजतन राष्ट्रीय हितों की ऐसे मामले में बलि चढ़ जाती हैं। जे पी की नजर में संसदीय लोकतंत्र की एक सबसे बड़ी खामी यह है कि इसके एक छोर पर केंद्र और दूसरे छोर पर राज्य और बीच में वैयक्तिक मतदाताओं से पर्याप्त दूरी। जिस लोकतंत्र में सर्वस्व सत्ताधारी जनता मरुस्थल में बालू कणों की तरह बिखरी हो, उसके तथा राज्य शक्ति के बीच कोई अन्य सुसंगठित राज्यशक्ति न हों, उसका स्वाभाविक परिणाम है नौकरशाही की निरंकुशता।

स्पोर्ट्स

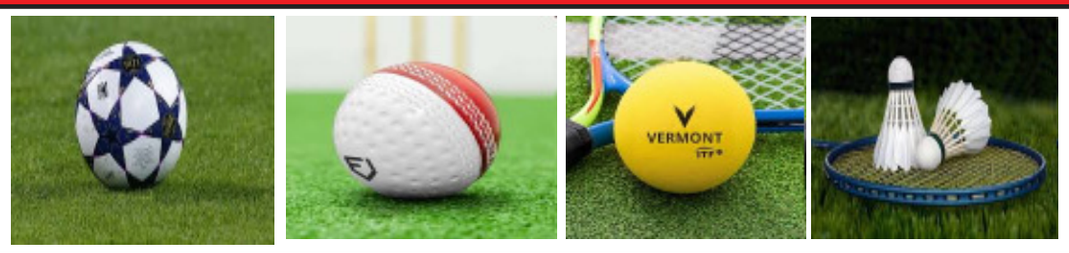

तीसरे मैच में हर्षित राणा को मिलेगा मौका क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर उतरेगा भारत, देखें प्लेइंग 11

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी करीबी नजर रखेगा जिन्होंने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की धमाकेदार पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी लिए। बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दो मैचों में जीत दर्ज कर चुकी भारतीय टीम की नजर अब तीसरे टी20 मैच पर है। शनिवार को यह मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। इस दौरान सूर्यकुमार यादव की सेना का लक्ष्य बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्वीप करना होगा। फिलहाल टीम इंडिया इस सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देकर इस टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने हाल ही में बांग्लादेश के

खिलाफ 2-0 से सीरीज जीती थी। अब टीम 3-0 से टी20 सीरीज पर भी कब्जा जमाना चाहेगी। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन कुछ अच्छे विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहा है। फिर चाहे वह तेज गेंदबाज मयंक यादव हों या स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, गंभीर उनके प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इन खिलाड़ियों ने भी अभी तक अपने मुख्य कोच को निराश नहीं किया है। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस सीरीज में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। चक्रवर्ती ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट लेकर तीन साल के बाद राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी की है। टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी करीबी नजर रखेगा जिन्होंने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की धमाकेदार पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी लिए। इन सकारात्मक पहलुओं के बीच संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी का प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का विषय होगा। सैमसन को पारी शुरू करने का मौका दिया गया लेकिन केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक इसका फायदा नहीं उठा पाया है। उन्होंने पहले मैच में 29 और दूसरे मैच में 10 रन बनाए। सैमसन को अगर हैदराबाद मौका मिलता है तो उन्हें उसे हर हाल में भुनाना होगा क्योंकि टीम प्रबंधन टीम में शामिल दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी मौका दे सकता है। टीम प्रबंधन को दूसरे सलामी बल्लेबाज अभिषेक से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो अभी तक पहले दो मैच में 15 और 16 रन ही बना पाए हैं। इसके अलावा भारतीय टीम प्रबंधन लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑलराउंडर हर्षित राणा को भी मौका देने पर विचार कर सकता है। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है जो उसे अभी तक बल्लेबाजों ने काफी निराश किया है। उसे अगर वर्तमान दौरे में अपनी एकमात्र जीत हासिल करनी है तो कप्तान नजमुल हुसैन शंटो और लिटन दास जैसे सीनियर बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रियान पराग, नीतीश कुमार रेड्डी, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मयंक यादव और हर्षित राणा।

कोहली नहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने इस भारतीय को सबसे ज्यादा स्लेज करने वाला क्रिकेटर बताया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। हालांकि, पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज के लिए अभी से ही चर्चा शुरू हो गई है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा स्लेज करने वाले भारतीय खिलाड़ी का नाम बताया है। हालांकि, उन्होंने विराट कोहली का नाम नहीं लिया है।दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैचों में काफी स्लेजिंग देखने को मिली है। भारतीय खिलाड़ियों ने कंगारुओं का ऑनफील्ड मुंहतोड़ जवाब दिया है। यही वजह है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर फिलहाल भारत का कब्जा है। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन से सबसे ज्यादा स्लेज करने वाले भारतीय खिलाड़ी के बारे में पूछा गया। हालांकि, उन्होंने चौंकाते हुए विराट कोहली का नाम न लेकर विकेटकीपर ऋषभ पंत का नाम लिया। सबने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि ऋषभ पंत ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जो मौजूदा समय भारतीय क्रिकेट टीम में सबसे ज्यादा स्लेज करते हैं। इसी वीडियो में 2018 भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान टिम पेन के साथ ऋषभ पंत की स्लेजिंग वाली लड़ाई को दिखाया गया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने खुलासा किया कि तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने पंत को उनकी स्लेजिंग के जरिये पहचाना था पंत ने स्लेजिंग को लेकर कहा था, 'कोई भी किसी को स्लेज करने की योजना नहीं बनाता है, लेकिन जब कोई ऐसा करता है तो मुझे यह पसंद नहीं है। इसलिए मैं बेहद विनम्र होकर स्लेज करता हूं। ऑस्ट्रेलियाई कह रहे थे कि 'बिग एमएस' (धोनी) आया है। आओ और होबार्ट में टी20 क्रिकेट खेलो। तुम्हें वहां एक अच्छा अपार्टमेंट मिलेगा। वहां मेरे बच्चों की देखभाल करना। इसके बाद मैंने भी जवाब में कुछ चीजें कहीं।' इस साल की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) सीरीज भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने के बाद पहली बार दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इससे पहले चार टेस्ट खेले जाते थे। भारत पिछली चार बीजीटी सीरीज में विजयी रहा है, जिसमें 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दो ऐतिहासिक जीत शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भारत

की ओर से लगातार बयानबाजी हो रही है। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा स्लेज करने वाले भारतीय खिलाड़ी का नाम बताया है। हालांकि, उन्होंने विराट कोहली का नाम नहीं लिया है।दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैचों में काफी स्लेजिंग देखने को मिली है। भारतीय खिलाड़ियों ने कंगारुओं का ऑनफील्ड मुंहतोड़ जवाब दिया है। यही वजह है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर फिलहाल भारत का कब्जा है। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन से सबसे ज्यादा स्लेज करने वाले भारतीय खिलाड़ी के बारे में पूछा गया। हालांकि, उन्होंने चौंकाते हुए विराट कोहली का नाम न लेकर विकेटकीपर ऋषभ पंत का नाम लिया। सबने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि ऋषभ पंत ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जो मौजूदा समय भारतीय क्रिकेट टीम में सबसे ज्यादा स्लेज करते हैं। इसी वीडियो में 2018 भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान टिम पेन के साथ ऋषभ पंत की स्लेजिंग वाली लड़ाई को दिखाया गया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने खुलासा किया कि तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने पंत को उनकी स्लेजिंग के जरिये पहचाना था पंत ने स्लेजिंग को लेकर कहा था, 'कोई भी किसी को स्लेज करने की योजना नहीं बनाता है, लेकिन जब कोई ऐसा करता है तो मुझे यह पसंद नहीं है। इसलिए मैं बेहद विनम्र होकर स्लेज करता हूं। ऑस्ट्रेलियाई कह रहे थे कि 'बिग एमएस' (धोनी) आया है। आओ और होबार्ट में टी20 क्रिकेट खेलो। तुम्हें वहां एक अच्छा अपार्टमेंट मिलेगा। वहां मेरे बच्चों की देखभाल करना। इसके बाद मैंने भी जवाब में कुछ चीजें कहीं।' इस साल की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) सीरीज भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने के बाद पहली बार दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इससे पहले चार टेस्ट खेले जाते थे। भारत पिछली चार बीजीटी सीरीज में विजयी रहा है, जिसमें 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दो ऐतिहासिक जीत शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ आखिरी सीरीज 2014-15 में जीती थी और भारतीय सरजमीं पर उसने पिछली जीत 2004-05 में जीती थी।आगामी सीरीज 22 नवंबर से सात जनवरी 2025 तक चलेगी जिसमें ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित स्थलों पर पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पर्थ में पहले टेस्ट के बाद, टीमें छह से 10 दिसंबर तक होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए एडिलेड ओवल जाएंगी। यह एक डे नाइट टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट 14 से 18 दिसंबर तक ब्रिसबेन के गाबा में खेला जाएगा, जबकि तीसरा टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, जिसे बॉक्सिंग डे टेस्ट भी कहा जाता है। सीरीज का फाइनल मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीन से सात जनवरी तक खेला जाएगा।

लॉरेन बेल से लेकर मंधाना-मॉली और पेरी तक, अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए चर्चा में ये आठ क्रिकेटर्स

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2024 का आगाज हो चुका है। भारतीय टीम को अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ

हार का सामना करना पड़ा। इस विश्व कप में कुछ क्रिकेटर्स अपने अलग अंदाज से जलवा बिखेर रही हैं। ऑनफील्ड नहीं, ऑफफील्ड भी इन क्रिकेटर्स के फैशन सेंस और ग्लैमरस अंदाज ने फैंस का दिल जीता है। आइए ऐसी ही आठ क्रिकेटर्स के बारे में जानते है इंग्लैंड की 23 साल की युवा तेज गेंदबाज लॉरेन बेल अपने ग्लैमरस और खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अब तक इंग्लैंड के लिए तीन टेस्ट, 14 वनडे और 23 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम आठ विकेट, वनडे में 27 विकेट और टी20 में 32 विकेट हैं। टेस्ट में 67 रन देकर तीन विकेट, वनडे में 37 रन देकर पांच विकेट और टी20 में 12 रन देकर चार विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। भारत की ओपनर मंधाना को दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। उनकी फैन फॉलोइंग काफी है। 28 साल की मंधाना ने अब तक भारत के लिए सात टेस्ट, 85 वनडे और 142 टी20 खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 629 रन, वनडे में 3585 रन और टी20 में 3505 रन बनाए हैं। टेस्ट में 149 रन, वनडे में 136 रन और टी20 में 87 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। आलिया रियाज पाकिस्तान की दिग्गज क्रिकेटरों में से एक हैं। 32 साल की यह खिलाड़ी अभी तक पाकिस्तान के लिए 68 वनडे और 96 टी20 खेल चुकी हैं। वनडे में उनके नाम 24.51 की औसत से 1324 रन और टी20 में 97.80 के स्ट्राइक रेट से 1112 रन हैं। इसके अलावा वनडे में आलिया ने 12 विकेट और टी20 में 20 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड की 32 साल की डेनिएल वायट सिर्फ ऑनफील्ड नहीं, बल्कि ऑफफील्ड भी अपने ग्लैमर की वजह से चर्चा में रहती हैं। वह अब तक इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट, 112 वनडे और 160 टी20 खेल चुकी हैं। टेस्ट में उनके नाम 32.25 की औसत से 129 रन, वनडे में 23.25 की औसत से 1907 रन और टी20 में 128.02 के स्ट्राइक रेट से 2828 रन हैं। इसके अलावा वनडे में वह 65 रन और टी20 में 133 रन बना चुकी हैं। न्यूजीलैंड की 23 साल की यह ऑलराउंडर दुनिया की सबसे खूबसूरत एथलीट्स में से एक हैं। इन्होंने अब तक कीवियों के लिए 74 वनडे और 80 टी20 खेले हैं। वनडे में उनके नाम 42.48 की बेहतरीन औसत से 2082 रन और टी20 में 110.02 के स्ट्राइक रेट से 1174 रन हैं। वनडे में केर 91 विकेट और टी20 में 79 विकेट ले चुके हैं। वनडे में 17 रन देकर पांच विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी और टी20 में 20 रन देकर चार विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह 33 साल की दिग्गज ऑलराउंडर का अंदाज सबसे जुदा है। वह सबसे ग्लैमरस क्रिकेटर्स में से एक हैं। वह इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक हैं। पेरी ने अब तक कंगारुओं के लिए 13 टेस्ट में 61.86 की औसत से 928 रन, 147 वनडे में 50.74 की औसत से 3958 रन और 157 टी20 में 115.87 के स्ट्राइक रेट से 1956 रन बना चुकी हैं। इसके अलावा टेस्ट में उनके नाम 39 विकेट, वनडे में 165 विकेट और टी20 में 126 विकेट हैं। न्यूजीलैंड की यह क्रिकेटर अभी 23 साल की हैं, लेकिन अपनी गति से यह दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान कर चुकी हैं। वह 11 वनडे में पांच विकेट और 10 टी20 में सात विकेट ले चुकी हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरा टी20 आज, यहां जानें मौसम-पिच और लाइव स्ट्रीमिंग डीटेल्स

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच आज तीन मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैदराबाद में खेला जाएगा। इस मैच में जीत के साथ भारतीय टीम क्लीन स्वीप का लक्ष्य लेकर उतरेगी। बता दें कि, इस सीरीज में भारतीय टीम पिछले दो मैचों में जीत के साथ 2-0 से आगे चल रही है। अब उनकी नजर तीसरे मुकाबले में जीत के साथ बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने पर टिकी है।इस सीरीज का तीसरा मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां की पिच पूरी तरह से बल्लेबाजों के अनुकूल रह सकती है। इस मुकाबले में टॉस ज्यादा बड़ी भूमिका अदा नहीं करेगा। माना जा

रहा है कि यहां दोनों पारियों में बड़े स्कोर बन सकते हैं। रिकॉर्ड की बात करें तो पिछले दो अंतरराष्ट्रीय मैचों में इस पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है। वहीं, पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। तीन मैचों की इस सीरीज के आखिरी टी20 मुकाबले पर बारिश का साया है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, मुकाबले के दौरान आकाश में बादल छाए रहने की आशंका है। वहीं, तापमान 23 डिग्री से 26 डिग्री तक रहने की संभावना है जबकि बारिश की संभावना 23 प्रतिशत है। हवाएं 24 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी जबकि आद्रता 89 फीसदी रह सकती है। हालांकि, फैंस को उम्मीद है कि उन्हें पूरा मैच देखने को मिलेगा।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने किया टीम का एलान, मिल गया कप्तान रोहित का डिप्टी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 अक्तूबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। तेज गेंदबाज को आगामी सीरीज के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।बांग्लादेश के खिलाफ 11 टेस्ट विकेट चटकाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले बुमराह को बीसीसीआई ने इनाम दिया है। उन्हें आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। तेज गेंदबाज ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में हमवतन रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा था। दोनों बांग्लादेश के खिलाफ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए स्क्वॉड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चयन समिति ने उन्हीं खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते देखा गया था। भारत ने इस सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमाया था। अब टीम की नजर कीवी टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज पर है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने से चूक गए हैं। दरअसल, वह फिलहाल अपनी टखने की चोट से उबर रहे हैं। टीम में वापसी से पहले उनके रणजी ट्रॉफी में कुछ मैच खेलने की संभावना है। आखिरी बार उन्हें वनडे विश्व कप के दौरान खेलते देखा गया था। हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, मयंक यादव और प्रसिद्ध कृष्णा को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। आगामी सीरीज में रोहित शर्मा उन खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं जिन्हें बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलेगा। इनमें ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। 11 में से आठ मुकाबले जीत चुकी टीम इंडिया का अंक प्रतिशत 74.24 का है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में जीत के बाद दूसरे पायदान पर है। उनका अंक प्रतिशत 74.24 का है। भारत को डब्ल्यूटीसी के फाइनल से पहले आठ मुकाबले और खेलने हैं। इनमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (पांच टेस्ट) शामिल है। रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL
DURGAWATI GROUP INSTITUTIONS

DURGAWATI INTERNATIONAL

School & College Meja, Prayagraj

(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)

Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY

- AC hostel facilities are available for the boys from class 3rd onwards.
- Quality food
- Personal care
- 24/7 power backup
- Special tuition classes for hostelers
- Free health checkup per month.
- Infirmary faciliti is also available
- Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI

(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES

- Affordable fee & High-tech infrastructure.
- Spacious and colorful classrooms.
- Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
- Free personality development.
- English spoken classes for each student.
- RO water and CCTV facilities.
- Pick and drop facilities with full safety.
- Trained PE Teacher along with
- Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ाया मदरसा शिक्षकों का वेतन, अठावले बोले- मुस्लिम विरोधी नहीं महायुति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। राज्य मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार से 'नॉन-क्रीमी लेयर' की अर्हता के लिए आय सीमा को मौजूदा 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये प्रति वर्ष करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया था। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए गैर-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शुक्रवार को मदरसा शिक्षकों का पारिश्रमिक बढ़ाने के महाराष्ट्र कैबिनेट के फैसले का स्वागत किया। इससे साबित होता है कि महायुति सरकार मुस्लिम विरोधी नहीं है। उन्होंने कहा कि 'नॉन-क्रीमी लेयर' की अर्हता के लिए आय सीमा को बढ़ाकर 15 लाख रुपये प्रति वर्ष करने का राज्य मंत्रिमंडल का केंद्र को दिया गया प्रस्ताव अच्छा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।